हरिभूमि
रायपुर भूमि

समय से पहले प्रदेश में दस्तक देने वाला लगातार मानसून लेट हो रहा

लगातार बढ़ रहा तापमान, राज्य में अब तक केवल 20 मिमी. बरसात

2026 में रविवार 14 जून की स्थिति में अगले 4-5 दिन में दक्षिण बस्तर पहुंचने का अनुमान

दगाबाज मानसून...हफ्तेभर से खिसक रही तारीख, अब 4-5 दिन और लगने का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

भीषण गर्मी के बाद बारिश लेकर आने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार दगाबाज साबित हो रहा है। मौसम विभाग पिछले सप्ताहभर से इसके आगमन की संभावित तारीख को लगातार आगे खिसका रहा है। अब राज्य में इसके दस्तक देने में 4 से 5 दिन लगने का नया अनुमान सामने आया है। पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं होने की वजह से तापमान लगातार बढ़ रहा है। जून के महीने में प्री-मानसून की गतिविधि बेहद कमजोर रही है और बीते 14 दिनों में राज्य में केवल 20 मिमी. वर्षा हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो अभी ऐसा कोई बड़ा सिस्टम नहीं है, जो छत्तीसगढ़ में जोरों की बरसात करा दे, जिससे मानसून के छत्तीसगढ़ में प्रवेश होने की घोषणा की जा सके। बस्तर के वनक्षेत्र होने के बाद भी वहां पर्याप्त बारिश नहीं हो पा रही है। मौसम विभाग पिछले एक सप्ताह से मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थिति ⏭ शेष पेज 13 पर

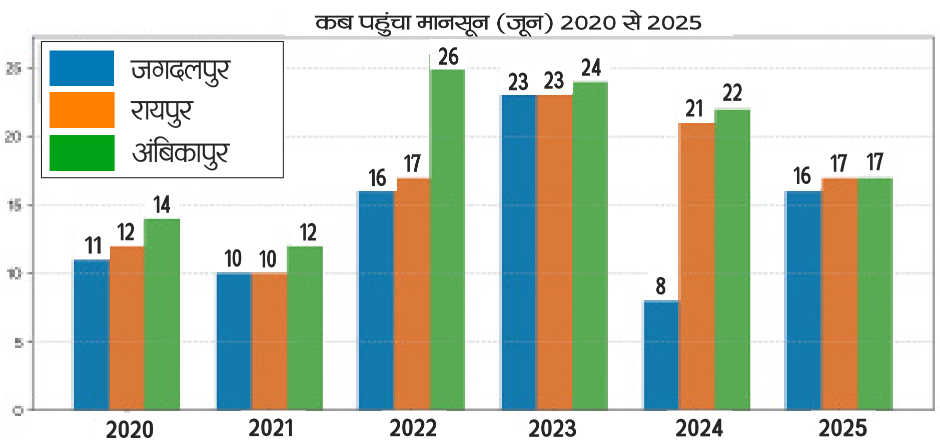

नियम के मुताबिक बारिश

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने की घोषणा तब की जाती है, जब क्षेत्र के करीब 14 स्टेशनों में लगातार दो दिनों तक 2.5 मिमी. या उससे अधिक बारिश दर्ज हो। इसके अलावा आने वाली हवा की दिशा निरंतर दक्षिण-पश्चिम होनी चाहिए। साथ ही सीजनल बारिश के लिए मानसून द्रोणिका के भी सक्रिय होने की जरूरत है। वर्तमान में दोनों सिस्टम को छोड़कर केवल सीजनल द्रोणिका पश्चिमी राजस्थान से गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड होते हुए माध्य समुद्रतल पर स्थित है।

तीन जिलों में प्री-मानसून बारिश

राज्य में मानसून आगमन की सामान्य तारीख बीतने के एक दिन बाद की स्थिति में केवल बलरामपुर, सूरजपुर और मुंगेली ही ऐसे जिले हैं, जहां की वास्तविक वर्षा सामान्य के आंकड़े को पार कर सकी है। इसके अलावा बाकी 30 जिलों में बारिश के नाम पर केवल बूंदाबांदी वाली स्थिति बनी हुई है। रायपुर में जून के महीने में चार बार स्थानीय प्रभाव से वर्षा की स्थिति बनी है, जिसमें दो बार जमकर पानी गिरा। अभी तो बस्तर के सभी जिले सामान्य से कम बरसात का तनाव झेल रहे हैं।

खबर संक्षेप

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का मोबाइल हैक कर मांगे पैसे

रायपुर। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का रविवार को अज्ञात जालसाजों ने मोबाइल हैक कर लिया। हैकरों ने डॉ. सलीम राज के मोबाइल के संपर्क सूची में शामिल लोगों को मैसेज भेजकर एक्सीडेंट तथा अन्य बहाने कर पैसों की मांग की। मोबाइल हैक होने की जानकारी मिलने के बाद डॉ. सलीम राज ने इसकी लिखित शिकायत साइबर सेल में की। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का रात 9 बजे मोबाइल ठीक हो पाया। पुलिस घटना की जांच कर आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तार करने की बात कह रही है। यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है हैकरों ने जिन लोगों से वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के नाम से पैसों की मांग की थी, उनमें से कितने लोग झांसे में आकर रकम ट्रांसफर किए हैं।

फर्जी आर्डर देकर 10 लाख की ठगी

रायपुर। खमतराई थाने में उरकुरा स्थित रूद्राक्ष इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन मनु इंडिया के डायरेक्टर ने अपने यहां काम करने वाले तीन लोगों के खिलाफ फर्जी आर्डर कर माल किसी दूसरी जगह बेचकर 10 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अशोक मनु ने बिलासपुर निवासी रमन श्रीवास्तव, सुधीर कुमार गुप्ता, सुबोध कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। अशोक ने पुलिस को बताया कि तीनों उनकी कंपनी में काम करते थे। तीनों ने ओडिशा तथा मध्यप्रदेश के अलग-अलग पार्टियों का फर्जी आर्डर देकर विद्युत उपकरण के साथ विद्युत सामान खुले बाजार में बेचकर उनके साथ ठगी की है।

झांसा देकर युवक से लूट

रायपुर। मुजगहन थाने में महासमुंद के एक युवक ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राहुल नायक ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। राहुल ने पुलिस को बताया कि उसके पास 5 जून को पंडरी में शादी प्रोग्राम में शामिल होने कॉल आया। इसके बाद राहुल ने अपने जीजा के अकाउंट में यूपीआई से पांच सौ रुपए ट्रांसफर किए। दूसरे दिन रायपुर में राहुल अपनी बुआ के घर रुक गया। जिस दिन राहुल अपनी बुआ के घर रुका था, उसी दिन अज्ञात बदमाश राहुल को कॉल कर संतोषी नगर बुलाए। इसके बाद बदमाश राहुल के अपने साथ बाइक पर कमल विहार शराब भट्ठी ले गए, वहां बदमाशों ने राहुल से कैश एक हजार रुपए तथा मोबाइल लूटकर मौके से फरार हो गए।

बीएसयूपी कॉलोनी में पुलिस की दबिश

रायपुर। सरस्वती नगर, आमानाका एवं न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की बीएसयूपी कॉलोनी में पुलिस ने रविवार को दबिश देकर तीन सौ मकानों की जांच की। पुलिस ने मकानों में रह रहे लोगों का सत्यापन किया। जांच में सौ से ज्यादा पुलिस अफसर तथा कर्मी शामिल रहे। चेकिंग अभियान के दौरान क्षेत्र में निवासरत गुंडों के साथ निगरानी, आदतन बदमाशों के साथ अपराधियों एवं अन्य संदिग्ध व्यक्तियों की विस्तृत जांच की गई।

नगर निगम से सैद्धांतिक सहमति लेना बाकी, ऑटो ड्राइवरों की भी सहमति ली जा रही

शहर में आटो-ई रिक्शा की गिनती पूरी, अभी 15000, अब 200 जगह पार्किंग का प्लान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने ऑटो की वास्तविक संख्या की जानकारी जुटाने पंजीयन का काम पूरा हो गया। अब तक कुल 15 हजार आठ ई-रिक्शा तथा ऑटो का पंजीयन किया गया है। अफसरों के अनुसार, महज पांच से सात प्रतिशत ऐसे ऑटो चालक तथा ई-रिक्शा चालक होंगे, जिनका अब तक पंजीयन नहीं हुआ है। साथ ही ऑटो, ई-रिक्शा पार्किंग के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर दो सौ जगहें चिन्हांकित कर ली हैं। ऑटो पार्किंग के लिए जो जगहें चिन्हांकित की गई हैं, उसके लिए नगर निगम से सैद्धांतिक सहमति लेना बाकी है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के अनुसार, पंजीकृत सभी ऑटो ⏭ शेष पेज 13 पर

सिस्टम पटरी पर आने लग सकता है एक महीना

ऑटो, ई-रिक्शा के सुचारू संचालन के लिए ट्रैफिक पुलिस जो प्लान लागू करने जा रही है, उस सिस्टम को लागू होने में एक महीने का समय लग सकता है। ट्रैफिक पुलिस को ऑटो, ई-रिक्शा चालकों को क्यूआर कोड बांटने में 15 दिन से ज्यादा समय लग सकता है। साथ ही ⏭ शेष पेज 13 पर

राजधानी की सड़कों पर रोज नई 45 गाड़ियां

परिवहन विभाग के डेटा के अनुसार, पूरे प्रदेश में नियमित सौ से सवा सौ नए ई-रिक्शा की बिक्री हो रही है। जितने ई-रिक्शा की बिक्री होती है, उनमें 40-45 ई-रिक्शा रायपुर में बिकते हैं। ट्रैफिक पुलिस नए ई-रिक्शा का पंजीयन डीलर पाइंट से करने की बात कह रही है। इससे ट्रैफिक पुलिस को राजधानी में ऑटो, ई-रिक्शा की संख्यात्मक जानकारी तय समय पर मिलती रहेगी।

एक पार्किंग में 10-15 गाड़ियां ही

ऑटो, ई-रिक्शा की पार्किंग से किसी को परेशानी न हो तथा ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित न हो, इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने पार्किंग स्थल पर 10 से 15 ऑटो, ई-रिक्शा पार्क हो सकें, उस लिहाज से जगह का चयन किया है। साथ ही लोगों को ई-रिक्शा तथा ऑटो के लिए भटकना न पड़े, इसका ध्यान रखते हुए ऑटो, ई-रिक्शा पार्किंग के लिए दूरी के हिसाब से जगह का चयन किया है।

रनिंग में रहते हैं 80 प्रतिशत ऑटो

ट्रैफिक पुलिस ने एक सर्वे कराया है, जिसमें जानकारी मिली है कि शहर में संचालित ऑटो, ई-रिक्शा में से 80 प्रतिशत गाड़ियां ही ऑन रोड रहती हैं। शेष गाड़ियां सवारी के इंतजार में बेतरतीब तरीके से खड़ी रहती हैं। जितने ऑटो, ई-रिक्शा ऑन रोड होते हैं, उनमें से 10-15 प्रतिशत ई-रिक्शा तथा ऑटो रेलवे स्टेशन तथा इंटरस्टेट बस टर्मिनल परिसर में सवारियों के इंतजार में खड़े रहते हैं।

राहगीरों को मिलेगी राहत

ऑटो, ई-रिक्शा में क्यूआर कोड लगने से लोगों को भी आवाजाही में राहत मिलेगी। विशेषकर महिलाएं रात के समय सुनसान जगह से ऑटो में सवारी करने पर महिला ऑटो का क्यूआर कोड स्कैन कर फोटो अपने परिजनों को भेज देंगी। इससे घर के लोगों को पता होगा कि उनके घर की महिला किस ऑटो, ई-रिक्शा से आ रही है। इससे आपराधिक तत्व, जो ऑटो चला रहे हैं, वे किसी तरह से अरपराधिक घटना को अंजाम देने से डरेंगे।

औसतन साढ़े छह लाख लोग करते हैं आवाजाही

राजधानी की सड़कों पर नियमित 20 से 21 घंटे ऑटो, ई-रिक्शा ऑन रोड रहते हैं। इन 20 से 21 घंटों में औसतन साढ़े छह लाख लोग अपने काम के सिलसिले में ऑटो से आवाजाही करते हैं। ऑटो, ई-रिक्शा संचालन के लिए ट्रैफिक पुलिस उन साढ़े छह लाख लोगों को ध्यान में रखकर प्लान बना रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक और तस्कर की 15 लाख की चल संपत्ति फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- मुकेश बनिया को सुनवाई का अंतिम अवसर, जल्द अटैच हो सकती है करोड़ से ज्यादा की संपत्ति
- रवि साहू की संपत्ति अटैच करने के दो महीने के भीतर अब दूसरी कार्रवाई की तैयारी

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में पहले से ज्यादा तेजी आई है। यही कारण है कि दो महीने के भीतर सफेमा एक्ट के तहत दो तस्करों की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की गई। अप्रैल में रवि साहू की साढ़े सात करोड़ की चल-अचल संपत्ति अटैच की गई थी। दूसरी कार्रवाई कबीर नगर थाना क्षेत्र के हेरोइन चिट्टा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रूपिंदर सिंह उर्फ पिंदर उर्फ पाब्लो की 15 लाख रुपए की चल संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की गई। मूलतः पंजाब, तरणतारण का रहने वाला रूपिंदर सिंह उर्फ पिंदर कोलंबिया के कुख्यात ड्रग डीलर पाब्लो ⏭ शेष पेज 13 पर

मुकेश बनिया को सुनवाई के लिए अंतिम अवसर

गांजा के साथ अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त मुकेश बनिया का केस तैयार कर सुनवाई के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय की ओर से मुंबई सफेमा कोर्ट भेजा गया है। पुलिस ने मुकेश बनिया द्वारा तस्करी के पैसों से एक करोड़ 15 लाख रुपए के करीब संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य जुटाए हैं। बताया जा रहा है, सफेमा कोर्ट में मुकेश बनिया को दो बार सुनवाई का मौका मिल चुका है। अंतिम सुनवाई इसी महीने हो सकती है। अर्जित संपत्ति करने के स्त्रोत नहीं बता पाने की स्थिति में मुकेश बनिया की संपत्ति अटैच हो सकती है।

छठवीं कक्षा के बाद अब नवमी-दसवीं में भी त्रि-भाषा फॉर्मूला, छात्रों को पढ़नी होगी दो भारतीय भाषा

- *एक विदेश भाषा का चयन कर सकेंगे विद्यार्थी*
- *इसके पहले अप्रैल माह से छठवीं कक्षा में लागू किया गया था तीन भाषा फॉर्मूला*

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तहत आने वाले स्कूलों में अब नौवीं-दसवीं कक्षा में तीन भाषाओं को पढ़ना अनिवार्य होगा। तीन भाषाओं में से कम से कम दो भाषाएं भारतीय मूल की होंगी। सीबीएसई ने नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार भाषा शिक्षा में बड़ा बदलाव किया है। यह व्यवस्था एक जुलाई से लागू होगी। इससे पहले बोर्ड ने अप्रैल से छठवीं कक्षा में तीन भाषा फार्मूले को लागू किया था।

सीबीएसई ने इस बदलाव के संबंध में सभी स्कूलों को सर्कुलर जारी कर दिया है। यदि कोई छात्र विदेशी भाषा पढ़ना चाहता है, तो वह उसे तीसरी भाषा के रूप में तभी चुन सकेगा, जब बाकी दो भाषाएं भारतीय हों। अन्यथा विदेशी भाषा को चौथी अतिरिक्त भाषा के तौर पर पढ़ाया जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि भाषा शिक्षा एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम के अनुसार ही होगी।

तीसरी भाषा की नहीं होगी बोर्ड परीक्षा

सर्कुलर के अनुसार, भाषाओं को आर-1, आर-2 और आर-3 के रूप में श्रेणीवद्ध किया गया है। 10वीं कक्षा में तीसरी भाषा (आर-3) की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। इसका मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर आंतरिक रूप से किया जाएगा। अभी नौवीं कक्षा के लिए आर-3 (तीसरी भाषा) की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं है, इसलिए नौवीं कक्षा के छात्र छठी कक्षा की आर-3 किताबों (संस्करण 2026-27) से ही पढ़ाई करेंगे।

जुलाई में उपलब्ध कराई जाएंगी किताबें

छठवीं के लिए आर-3 की पाठ्यपुस्तकें 19 भाषाओं में एक जुलाई से पहले स्कूलों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वह छठवीं से नवमी कक्षा तक की तीसरी भाषा संबंधी जानकारी को 30 जून तक बोर्ड के ओएसिस पोर्टल पर अपलोड कर दें। इस पोर्टल में स्कूलों को यह बताना होगा कि उनके द्वारा किन भाषाओं का चुनाव किया गया है। प्रत्येक भाषा और उसका चुनाव करने वाले विद्यार्थियों की संख्या की जानकारी स्कूलों द्वारा पोर्टल में अपडेट करनी होगी।

हाईकोर्ट का ग्रीष्मकालीन अवकाश खत्म, आज से नियमित सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त हो गया है। सोमवार 15 जून से हाईकोर्ट की सभी निर्धारित बेंचों में नियमित सुनवाई शुरू होगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट प्रशासन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को ईंधन की बचत करने और सरकारी वाहनों का साझा उपयोग करने की सलाह दी है। हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता में सुधार हुआ है, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचना अभी भी जरूरी है। न्यायिक अधिकारियों से कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर ही सरकारी वाहनों का उपयोग करें। ध्यान रहे कि हाईकोर्ट में ⏭ शेष पेज 13 पर

सप्ताह की कॉज लिस्ट भी जारी

हाईकोर्ट प्रशासन ने 15 जून से शुरू होने वाले सप्ताह की कॉज लिस्ट भी जारी कर दी है। नियमित कामकाज शुरू होने के साथ ही लंबित मामलों की सुनवाई फिर से सामान्य तरीके से की जाएगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट प्रशासन ने वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था भी समाप्त कर दी है।

शराब दुकान से सात लाख कैश से भरा लॉकर उठा ले गए शातिर, डीवीआर तक नहीं छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- कई महंगी शराब की बोतलें भी पार

आमानाका थाना क्षेत्र के सरोना स्थित कम्पोजिट अंग्रेजी शराब दुकान में चोरों ने धावा बोलते हुए लॉकर समेत सात लाख रुपए कैश पार कर दिए। पुलिस से बचने के लिए शातिर चोर शराब दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी साथ में चोरी कर ले गए। चोरी की घटना शनिवार-रविवार दरमियानी रात की है। इसकी जानकारी सुबह साढ़े 10 बजे तब मिली, जब कर्मचारी शराब दुकान खोलने पहुंचे। उन्हें दुकान के बाहर गेट का ताला ⏭ शेष पेज 13 पर

चोरों का अब तक नहीं मिला सुराग

घटनास्थल पर महत्वपूर्ण साक्ष्य सीसीटीवी का डीवीआर है। चोर डीवीआर को ही चोरी कर ले गए। ऐसे में पुलिस को चोरों के बारे में अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। चोर चोरी करने के बाद किस दिशा की ओर भागे होंगे। इस बात की अंदाजा लगाना पुलिस के लिए फिलहाल मुश्किल है। चोरी की घटना में किसी शराब दुकान के कर्मचारी के मिलीभगत होने की आशंका है, इसलिए पुलिस शराब दुकान के सभी कर्मियों के ट्रैक रिकार्ड की जांच कर रही है।

घटना के समय गार्ड नहीं था

शराब दुकान की सुरक्षा के लिए गार्ड नियुक्त किया गया है। बताया जा रहा है, शराब दुकान बंद होने के बाद से गार्ड शराब दुकान से नदारद मिला। इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है कि रात के समय गार्ड कहां चला गया था। पुलिस गार्ड से पूछताछ कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि शराब दुकान में बिक्री की रकम शराब दुकान बंद होने के बाद ले जाई जाती है, ऐसे में इतनी बड़ी रकम आखिर शराब दुकान में क्यों छोड़ी गई? यह जांच का विषय है।

5 साल पहले बनी योजना हवा-हवाई साबित हो रही

45 पानी टंकियों की स्कॉडा से मॉनिटरिंग फिस्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने मोतीबाग की नई पानी टंकी और गंज पानी टंकी में लगाया है स्कॉडा सिस्टम

रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र के नई व पुरानी 45 पानी टंकियों की स्कॉडा से निगरानी की योजना फिस्स हो गई है। 5 साल बाद भी नगर निगम का जल विभाग मैनुअल सिस्टम से पानी टंकियों के जल वितरण की स्थिति और टेल एंड तक जल आपूर्ति की जानकारी जुटा रहा है, जबकि स्वचालित वॉल्व लगाकर पानी टंकी का वॉल्व खोलने व बंद होने का सिस्टम अमल में लाना था, पर हालत ये है कि ज्यादातर पानी टंकियों में डबल वॉल्व की जगह सिंगल वॉल्व होने से सैकड़ों लीटर पीने का शुद्ध पानी सड़क पर फिजूल में बहाने के अलावा कोई विकल्प नगर निगम के पास उपलब्ध नहीं है। शहर की किस पानी टंकी में जल वितरण की क्या स्थिति है, अंतिम छोर तक कितना पानी पहुंच रहा है, इसे पता करने का हाईटेक सिस्टम जल विभाग में अब तक पूरी तरह नहीं बन पाया है। केवल रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 24 घंटे जल आपूर्ति योजना में मोतीबाग की नई पानी टंकी और गंज पानी टंकी में यह सिस्टम लगाया है, पर यह भी अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

दरअसल नगर निगम के 70 वार्डों में जल वितरण की व्यवस्था और उसकी निगरानी का सिस्टम अब तक हाईटेक नहीं हो पाया है। साल 2021 में फिल्टर प्लांट में एक्टेंशन के समय 80 एमएलडी के नए प्लांट को शहरवासियों की 30 साल की जरूरत के हिसाब से तैयार किया गया, जिसमें नगर निगम की सभी पानी टंकियों के पुराने वॉल्व बदलकर ⏭ शेष पेज 13 पर

पुराने वॉल्व नहीं बदले, सोलर एनर्जी से टंकियां अपडेट नहीं

जल विभाग के अधिकारी का कहना है, योजना के मुताबिक हमें शहर की सभी पानी टंकियों में मैनुअल ऑपरेट होने वाले पुराने वॉल्व बदलकर स्वचालित वॉल्व लगाने थे। इसके लिए एमआईसी और सामान्य सभा में प्रस्ताव भी लाया गया, पर आज भी ज्यादातर पानी टंकियों में पुराने वॉल्व से ही काम चला रहे हैं। उसे भी मैनुअल तरीके से ऑपरेट करना पड़ता है। स्कॉडा सिस्टम में प्रावधान यह भी था कि शहर की जितनी पानी टंकियां हैं, उन्हें सोलर लाइट से कनेक्ट कर अपग्रेड करना था, यह कार्य भी अब तक नहीं हुआ है।

हाईटेक महतारी सदन और योग वन....अतिथियों ने की तारीफ, मातृशक्ति को तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर पश्चिम क्षेत्र के विप्रनगर रायपुरा में 1 करोड़ 20 लाख की लागत से निर्मित हाईटेक महतारी सदन और महिला योग भवन व जुम्बा सेंटर का भव्य लोकार्पण रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल और क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने किया। महतारी सदन में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के नौनिहालों के लिए कॉन्वेंट की तर्ज पर आधुनिक प्ले स्कूल और डे-केयर सेंटर की सुविधा मिलेगी। मातृशक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए यहां अलग से 40 लाख की लागत से प्रदेश का पहला शासकीय सर्व सुविधायुक्त फिटनेस हब तैयार किया गया है। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर

- विप्रनगर रायपुरा में लोकार्पण समारोह, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर भी शामिल

हरिभूमि सरोकार

40 लाख की लागत से प्रदेश का पहला शासकीय फिटनेस सेंटर

आर्थिक अभाव के कारण हीनभावना नहीं आने दूंगा : मूणत

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने कहा कि मेरा स्पष्ट मानना है कि वास्तविक विकास सीमेंट और गगनचुंबी इमारतों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका सीधा लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े नागरिक को मिलना चाहिए। विप्रनगर का यह प्रोजेक्ट हमारी इसी नीति का परिणाम है। मैं क्षेत्र के किसी भी बच्चे में आर्थिक अभाव के कारण हीनभावना नहीं आने दूंगा। इसके अतिरिक्त माताओं और बहनों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए 40 लाख की लागत से निर्मित प्रदेश का पहला सर्व सुविधायुक्त वातानुकूलित योग व जुम्बा सेंटर हमारी मातृशक्ति को समर्पित है। श्री मूणत ने अपने उद्बोधन में कहा, सभी के सहयोग से रायपुर पश्चिम को देश की अग्रणी और आत्मनिर्भर मॉडल विधानसभा बनाना ही मेरा सर्वोच्च ध्येय है।

ये हुए शामिल : लोकार्पण अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल, सरिता-आकाश दुबे, गायत्री-सुनील चंद्राकर, जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर, पार्षद अर्जुन यादव, महेंद्र औसर आदि उपस्थित रहे।

लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ के नगरीय विकास की दिशा में एक अनुकरणीय मील का पत्थर है। विधायक राजेश मूणत ने कंक्रीट के ढांचे को सामाजिक संवेदनशीलता के साथ जोड़कर एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। 1.20 करोड़ की यह संचयी सौगात इस बात को प्रमाणित करती है कि हमारी डबल इंजन सरकार अंत्योदय और नारी शक्ति के सशक्तिकरण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

महिलाओं-बच्चों के बेहतर साबित होगा : मीनल

महापौर मीनल चौबे ने इस मौके पर कहा कि रायपुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विप्रनगर में स्थापित यह सर्व सुविधायुक्त परिसर स्थानीय महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक वरदान साबित होगा। एक महिला प्रतिनिधि के रूप में विधायक राजेश मूणत के इस दूरगामी और कल्याणकारी सोच की सराहना करती हूं। श्रीमती चौबे ने कहा कि यह स्वतंत्र योग भवन उन महिलाओं को सुरक्षित और आधुनिक मंच प्रदान करेगा, जो आर्थिक संकोच के कारण महंगे व्यावसायिक केंद्र में नहीं जा पाती थीं। नगर निगम प्रशासन इस पूरे परिसर के सुचारू संचालन, बुनियादी स्वच्छता और प्रबंधन कार्य के लिए पूरी तरह से संकल्पित है।

खबर संक्षेप

समर कैंप का समापन बच्चों ने दिखाया हुनर

रायपुर। नूतन स्कूल आरडीए कॉलोनी टिकरापारा में चल रहे भव्य निशुल्क समर कैंप का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण के साथ भावपूर्ण समापन हुआ। वर्ष 2003 से लगातार आयोजित होने वाले इस शिविर में इस वर्ष 1 मई से लेकर 13 जून तक स्कूली बच्चों ने 40 से अधिक रचनात्मक एवं कौशल विकास गतिविधियों का भरपूर आनंद 3 हजार से अधिक स्कूली बच्चों ने उठाया। इस कैंप की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें छत्तीसगढ़ के अलावा देश के 14 अन्य राज्यों से अपने दादा-दादी और नाना-नानी के घर छुट्टियां मनाने आए बच्चे भी शामिल हुए। शिविर का समापन विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं के साथ हुआ, जिसमें प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले होनहार बच्चों को उपहार और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही, निशुल्क सेवाएं देने वाले सभी प्रशिक्षकों को आभार पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक बीआर किन्हेकर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात लेखक किरण अवस्थी ने की। कार्यक्रम के विशेष अतिथि सचिव सपन चटर्जी, शाला संचालक केएम अग्रवाल और लक्ष्मी गजलवार रहे। पूरे कैंप का सफल संयोजन उप प्राचार्य सुनीता रायकवार ने किया तथा मंच संचालन रजनी जाल द्वारा किया गया।

रेलवे परिवहन को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी आगे की दिशा

खनिजों को 'वनोपज' मानकर ट्रांजिट शुल्क तय, सरकार ने जारी की नई दरें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने खनिजों और वनोपज के परिवहन पर लिए जाने वाले ट्रांजिट शुल्क को लेकर नई दरें तय की हैं। इसमें चूना पत्थर, डोलोमाइट, कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट और सोने सहित कई खनिजों को वनोपज की श्रेणी में रखते हुए उनके परिवहन पर शुल्क निर्धारित किया गया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेश के बाद रेलवे के माध्यम से किए जाने वाले परिवहन को इस शुल्क से बाहर रखा गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अब खनिजों के परिवहन के लिए ट्रांजिट पास जारी करने पर 57 रुपए प्रति टन शुल्क वसूल करेगा। वहीं फ्लैग स्टोन, ग्रेनाइट, मार्बल, गिट्टी, पत्थर, रेत और मुरुम के परिवहन पर 40 रुपए प्रति घनमीटर शुल्क निर्धारित किया गया है।

किन खनिजों पर लगेगा 57 रुपए प्रति टन शुल्क

नई दरों में जिन खनिजों को वनोपज की सूची में रखा गया है, उनमें लाइमस्टोन (चूना पत्थर), डोलोमाइट, फायर क्ले, मैंगनीज, कॉपर, रॉक फॉस्फेट, पायरोफिलाइट, डायास्पोर, ओकर, बॉक्साइट, कैल्साइट, कोयला, क्वाट्र्ज, सिलिका सैंड, स्लेट, सोप स्टोन, आयरन ओर (लौह अयस्क), सोना, कोरंडम और टीन अयस्क शामिल हैं। इन सभी के परिवहन पर 57 रुपए प्रति टन ट्रांजिट शुल्क निर्धारित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में अभी बाकी है अंतिम फैसला

हालांकि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसके सभी प्रावधान सुप्रीम कोर्ट में लंबित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। यानी खनिजों को वनोपज मानने और उन पर ट्रांजिट शुल्क वसूलने का विवाद अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अंतिम कानूनी स्थिति अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तय होगी।

क्या है मामला

विवाद का केंद्र यह है कि राज्य सरकार खनिजों को भी वनोपज की श्रेणी में रखती है। सामान्य तौर पर वनोपज का अर्थ लकड़ी, बांस, तेंदूपत्ता या जंगल से प्राप्त अन्य उत्पादों से लगाया जाता है, लेकिन भारतीय वन अधिनियम 1927 में वनोपज की परिभाषा अपेक्षाकृत व्यापक है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ में वर्षों से कई खनिजों के परिवहन पर वन विभाग ट्रांजिट पास जारी करता रहा है और शुल्क वसूलता रहा है। उद्योग जगत और खनन कंपनियां लंबे समय से इस व्यवस्था पर सवाल उठाती रही हैं। उनका तर्क है कि खनिज पहले ही रॉयल्टी, डीएमएफ और अन्य शुल्कों के दायरे में आते हैं, ऐसे में उन्हें वनोपज मानकर अतिरिक्त ट्रांजिट शुल्क लगाना उचित नहीं है।

रेत, मुरुम और पत्थर के लिए अलग दर

सरकार ने फ्लैग स्टोन, ग्रेनाइट, मार्बल, ब्लास्ट (गिट्टी), पत्थर, रेत और मुरुम के लिए अलग शुल्क संरचना तय की है। इनके परिवहन पर 40 रुपए प्रति घनमीटर ट्रांजिट शुल्क लिया जाएगा।

लकड़ी और बांस के लिए वाहनवार शुल्क

इमारती लकड़ी, जलाऊ लकड़ी और बांस के परिवहन के लिए वाहन के प्रकार के अनुसार शुल्क निर्धारित किया गया है। छह चक्के तक के ट्रक पर 500 रुपए प्रति ट्रक, छह से अधिक और दस चक्के तक के ट्रक पर 700 रुपए प्रति ट्रक, दस चक्कों से अधिक वाले ट्रक पर 1000 रुपए प्रति ट्रक, दोपहिया ट्रॉली वाले ट्रैक्टर पर 200 रुपए, दो से अधिक पहियों वाली ट्रॉली पर 350 रुपए, बैलगाड़ी या भैंसागाड़ी पर 150 रुपए प्रति गाड़ी शुल्क लिया जाएगा।

हाईकोर्ट ने क्या कहा

यह मामला तब चर्चा में आया, जब सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। कंपनी का कहना था कि रेलवे के माध्यम से परिवहन किए जा रहे लौह अयस्क पर ट्रांजिट शुल्क नहीं लगाया जा सकता। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 6 जनवरी 2026 को दिए अपने फैसले में कहा कि रेलवे परिवहन पर इस प्रकार का ट्रांजिट शुल्क लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने माना कि रेलवे केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है और राज्य सरकार के ट्रांजिट नियम रेलवे परिवहन पर लागू नहीं होंगे। इसी फैसले के अनुपालन में राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि रेलवे के माध्यम से किए जाने वाले वनोपज अथवा सूचीबद्ध खनिजों के परिवहन पर यह शुल्क लागू नहीं होगा।

श्रीमद्भगवद्गीता में एमए कराएगा इग्नू, कर्मयोग, ज्ञानयोग, वेदांत भक्तियोग, उपनिषदों का अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- जुलाई से प्रारंभ होने वाले सत्र के लिए मांगे गए आवेदन

अब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को भी गहराई से समझ सकेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र जुलाई 2026 से एमए भगवद्गीता अध्ययन कार्यक्रम शुरू किया है। इस कोर्स के जरिए विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धांतों, भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों का व्यवस्थित अध्ययन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इग्नू द्वारा तैयार किए गए इस विशेष कोर्स में विद्यार्थियों को केवल गीता के श्लोकों का रट्टा या अर्थ नहीं पढ़ाया जाएगा, बल्कि उनके व्यावहारिक पक्षों को भी बारीकी से समझाया जाएगा।

इस दो वर्षीय पाठ्यक्रम में कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, वेदांत और उपनिषदों का गहन अध्ययन शामिल है। इसके अलावा, भारतीय संस्कृति एवं जीवन-दर्शन, नैतिक नेतृत्व, मानव मूल्य तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इसमें वर्तमान समय की आधुनिक चुनौतियों के संदर्भ में गीता की प्रासंगिकता पर भी मुख्य रूप से चर्चा होगी।

जीवन से जोड़ने का प्रयास

इग्नू के मुताबिक, यह कोर्स भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक जीवन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक प्रयास है। उनके अनुसार, इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में कर्तव्यबोध, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और जीवन प्रबंधन की समझ विकसित होगी। गीता के सिद्धांत आज भी व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के संकटों को दूर करने में उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। यह पाठ्यक्रम केवल आध्यात्मिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार और करियर के लिहाज से भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

हिंदी माध्यम में कोर्स

इग्नू का यह नया पाठ्यक्रम पूरी तरह से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति के तहत संचालित किया जाएगा। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि देश के किसी भी कोने में रहने वाले छात्र-छात्राएं या कामकाजी लोग घर बैठे इस कोर्स की पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक करने वाले अभ्यर्थी इस कोर्स में नामांकन के लिए पात्र होंगे। इस पीजी पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम अवधि चार वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि पढ़ाई का माध्यम हिंदी रखा गया है।

थोक में बदले गए सीएमओ कई निरीक्षक प्रभारी बने

7 दिन में कार्यभार ग्रहण करने कहा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें मुख्य नगरपालिका अधिकारी से लेकर राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक और सहायक ग्रेड-2 शामिल हैं। विभाग ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी किरण पटेल और सहायक राजस्व निरीक्षक राजेश तिवारी का निलंबन समाप्त करते हुए बम्हनीडीह नगर पंचायत और खैरागढ़ नगर पालिका में पदस्थ किया है। दोनों के विरुद्ध विभागीय जांच जारी रहेगी। विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। इसके उल्लंघन पर नियंत्रण अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नगरपालिका 'ख' वर्ग के सीएमओ का तबादला

रायपुर नगर निगम के जोन आयुक्त पद पर कार्यरत अरुण कुमार ध्रुव को सीएमओ नगरपालिका दंतेवाड़ा, कवर्धा नगरपालिका में सीएमओ रोहित कुमार साहू को सीएमओ नगर पंचायत धमधा, दीपका नगरपालिका के सीएमओ राजेश गुप्ता को सीएमओ नगरपालिका गौरेला, नगर पंचायत बेरला के सीएमओ सचिन गुप्ता को नगरपालिका कोण्डागांव, नगरपालिका आरंग की सीएमओ शीतल चंद्रवंशी को नगरपालिका चांपा, नगर पंचायत धमधा के सीएमओ नेतराम रत्नेश को नगरपालिका दीपका, गौरेला नगरपालिका में सीएमओ नारायण साहू को नगरपालिका कवर्धा की जिम्मेदारी दी गई है।

नगरपालिका 'ग' वर्ग के सीएमओ के तबादले

रामसंजीवन सोनवानी सीएमओ चांपा नगरपालिका को नगरपालिका आरंग, नगरपालिका दंतेवाड़ा सीएमओ वीकेएस पलदास सीएमओ नगर पंचायत भोपालपट्टनम, नगर पंचायत इंदौरी के सीएमओ प्रदीप सिंह ठाकुर को नगर पंचायत दाढ़ी में पदस्थ किया गया है।

निरीक्षकों को बनाया प्रभारी सीएमओ

देवेश चंदेल राजस्व निरीक्षक नगरपालिका कोण्डागांव को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में नगर पंचायत केशकाल में पदस्थ किया है। श्रीनिवास द्विवेदी स्वास्थ्य निरीक्षक नगरपालिका कवर्धा को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत इंदौरी, आशा जंघेल सहायक वर्ग-02 नगरपालिका जामुल को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत उतई, प्रभाकर शुक्ला राजस्व उप निरीक्षक, नगर निगम अंबिकापुर को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में नगर पंचायत धरमजयगढ़, भारतलाल साहू राजस्व उप निरीक्षक नगर पंचायत धरमजयगढ़ को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत बड़ी करेली, लक्ष्मण सिंह देहारी राजस्व उप निरीक्षक नगर पंचायत नया बाराद्वार को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत बेरला में पदस्थ किया गया है।

अमरजीत ने कहा- अंग्रेजों से गांधीजी और वर्तमान चुनौतियों से राहुल कर रहे संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की दौड़ से खुद को बताया बाहर, कभी नहीं माना दावेदार

पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमरजीत भगत ने सांसद राहुल गांधी की तुलना महात्मा गांधी से करते हुए कहा, जिस तरह महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी थी, उसी तरह राहुल गांधी आज देश के हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

राजधानी में अपने निवास पर संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कांग्रेस के आगामी प्रशिक्षण शिविर को लेकर पूर्व मंत्री श्री भगत ने कहा, पार्टी हाईकमान ने छत्तीसगढ़ को गंभीरता से लिया है। नए जिला अध्यक्षों के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राहुल गांधी की मौजूदगी होना ही कार्यकर्ताओं के लिए बड़ा संदेश है। पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है तथा इस शिविर से कांग्रेस को कई नए नेतृत्वकर्ता मिलेंगे। यह प्रशिक्षण शिविर कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां से नवरत्न निकलेंगे, जो भविष्य में संगठन को नई दिशा देंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बदलने की चर्चाओं के बीच अमरजीत भगत ने खुद को इस दौड़ से बाहर बताया। उन्होंने कहा, उन्होंने कभी स्वयं को प्रदेश अध्यक्ष पद का दावेदार नहीं माना और पार्टी जो जिम्मेदारी देती है, उसे निभाने का प्रयास करते हैं।

नकली जेवर विवाद पर सरकार को घेरा

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में विवाहित जोड़ों को कथित तौर पर नकली जेवर दिए जाने के मामले में भी अमरजीत भगत ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रदेश में नकली चीजों का चलन बढ़ता जा रहा है और इसके लिए शासन-प्रशासन दोनों जिम्मेदार हैं। श्री भगत ने तंज कसते हुए कहा, अब नकली प्रमाणपत्रों और नकली नेताओं की चर्चा भी आम होती जा रही है।

सुशासन तिहार सुपर फ्लॉप

उन्होंने राज्य सरकार के सुशासन तिहार कार्यक्रम को सुपर फ्लॉप करार दिया। उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम जनता के बीच काफी लोकप्रिय रहा था।

भाठागांव रोड चौड़ीकरण अधूरा, कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाठागांव रोड का चौड़ीकरण अब तक नहीं किए जाने पर कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन किया। डॉ. खूबचंद बघेल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आयोजन में शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, भाजपा की डबल इंजन की सरकार को ढाई साल हो गए हैं, लेकिन यहां के अतिव्यस्त सड़क को आज दिनांक तक नहीं बना पाए। उन्होंने चेतावनी दी कि रोड का काम जल्द शुरू नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन कर चक्काजाम किया जाएगा। रोड चौड़ीकरण के कार्य को लगभग 20 महीने होने जा रहे हैं। भाजपा सरकार के कार्यकाल के ढाई साल बाद भी यह काम पूरा नहीं हो पाया है। जिस फर्म को नगर निगम ने टेंडर दिया था, उसकी अवधि भी समाप्त हो चुकी है। उसे एक्सटेंशन देने के बाद भी फर्म यह काम आज तक पूरा नहीं कर पाई है। कांग्रेस द्वारा तीन से चार बार आंदोलन किया गया, तब जाकर एक तरफ का डामरीकरण किया गया। रोड पर रोजाना सैकड़ों बस-ट्रकों का आवागमन लगा रहता है। उन्होंने मांग की है कि सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सतनाम सिंह पनाग, उत्तम साहू, ब्रह्मा सोनकर, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद ठाकुर, ओम श्रीवास, मुन्ना मिश्रा, मंडल अध्यक्ष मनोज सोनकर, डॉ. विष्णु राजपूत, ऋषि देवांगन, कोमल साहू, सौरभ तिवारी, महेश सोनकर, खेम सोनकर, संतोष निर्मलकर,जयराज सोनकर, वार्ड अध्यक्ष टीकम सोनकर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

।। आम सूचना ।।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर

जारी दिनांक 01/06/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक श्रीमती अमिता तेलंग पिता/पति संजय तेलंग निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम बहानाकाडी पटवारी हल्का नम्बर 13 राजस्व निरीक्षक मंडल - मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 556/18 रकबा 0.100 हे. हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 27/05/2026 के परिपालन में दिनांक 19/06/2026 को समय 04 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उल्लेखित पटवारी हल्का नम्बर 13 के बहानाकाडी में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा / आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील-मंदिर हसौद, जिला-रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 01/06/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती अल्का साहू पति स्व. दिनेश साहू निवासी जगदलपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम बहानाकाड़ी पटवारी हल्का नंबर 13 राजस्व निरीक्षक मंडल- मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 556/19 रकबा 0.050 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 27/05/2026 के परिपालन में दिनांक 19/06/2026 को समय 04 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 13 के बहानाकाड़ी में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

(राजस्व निरीक्षक) मंदिर हसौद

आम सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार श्री जसमीत कौर जुनेजा, पता- मकान नं. 10, सेलटैक्स कॉलोनी, रायपुर, छ.ग. मो. नं. 9425254204 द्वारा विक्रेता श्रीमती शोभा श्रीवास्तव, पति-श्री पी.के. श्रीवास्तव, निवासी-मकान नं. 63/3, गीतांजली नगर, रायपुर, तह व जिला रायपुर, छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा-ग्राम- भरकोनी, प.ह.नं. 13, रा.नि.मं. धरसींवा, तहसील-धरसींवा, जिला रायपुर, छ.ग. स्थित खसरा नं. 118/38 का भाग रकबा 0.037 हे. अर्थात 4000 वर्गफुट भूमि है। जिसे मेरे पक्षकार के साथ विक्रय करने का पक्का सौदा तय करते हुये बतौर बयाना अग्रिम राशि प्राप्त कर दिया है, अब मात्र विक्रय पंजीयन किया जाना शेष है।

अतः प्रस्तुत आम सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति, संस्था, निगम, निकाय, बैंक या अन्य किसी को भी उक्त सौदे में किसी प्रकार दावा या आपत्ति हो तो नोटिस प्रकाशन दिनांक से 07 दिनों के भीतर लिखित दावा आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत कर लिखित पावती प्राप्त कर लेवे अन्यथा वाद मियाद उक्त विक्रय के संबंध में किसी प्रकार दावा या आपत्ति पूर्णतः शून्य माना जावेगा। सो सूचना जाने रायपुर, छ.ग.

दिनांक- 12/06/2026

ऐ.के.दुबे, डी.पी. तिवारी, श्रीमती मीना सैनी अधिवक्ता
पता- शिव मंदिर गली, मौदहापारा, रायपुर, छ.ग.,
मो. नं.- 9111991452

मूल बैनामा रजिस्ट्री दस्तावेज गुमने के संबंध आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार संतोष कुमार तलरेजा आत्मज श्री भीखामल तलरेजा निवासी-सी-57, एमएलए रेस्ट हाउस रोड, सेक्टर-5, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की रायपुर विकास प्राधिकरण की कटोरा तालाब योजना क्रमांक 16 के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक 332/5 खसरा नंबर 296 का भाग रकबा 1500 वर्गफुट याने कि 139.40 वर्गमीटर वाके मौजा ग्राम-टिकरापारा, प.ह.नं.- 114, रा.नि.मं. -2 रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में नगर निगम सीमा के अंतर्गत टैगोर नगर में स्थित है। यह कि, उक्त संपत्ति हमारे पक्षकार के द्वारा पूर्व विक्रेता सईद अहमद काजिल आत्मज स्व. नन्हें मियां सौदागर निवासी-मकान नंबर 302, बैजनाथपारा, रायपुर द्वारा मु.आम भीषमचंद पिता कीमतमल निवासी-कटोरा तालाब, रायपुर से पंजीकृत बैनामा दिनांक 03/01/1989 के माध्यम से क्रय किया गया है। उपरोक्त वर्णित संपत्ति की मूल बैनामा रजिस्ट्री मूल दस्तावेज थैले में था जो स्कूटी से टिकरापारा जाने वाले रास्ते में कहीं पर गिर गया, जो काफी अथक प्रयासों के उपरांत भी प्राप्त नही हो पाया है। उपरोक्त मूल बैनामा रजिस्ट्री का कहीं दुरूपयोग ना हो इस हेतु उक्त गुम हुए मूल बैनामा रजिस्ट्री दस्तावेज के गुमने की सूचना संबंधित थाने में प्रेषित की गई है। अतएव इस सूचना के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त संपत्ति के गुम हुए मूल बैनामा रजिस्ट्री दस्तावेज के आधार पर किसी भी प्रकार का संव्यवहार किसी भी व्यक्ति, संस्था निकाय से ना करें। सो सूचना जानें।

रायपुर (छ.ग.) दिनांक : 14/06/2026

हरनामदास सुदंरानी, कौशलेन्द्र तिवारी, अनंत तिवारी अधिवक्तागण,
लिबर्टी फोटो कापी सेंटर,कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.) मो. - 98261 - 81154

CHANGE OF NAME

I, **MUKESH MANIKPURI**, S/o Shri Ashok Kumar Manikpuri, R/o House No. 39/746, Tikrapara, Chhattisgarh Nagar, Near Bhagat Chowk, Ward No. 50 (New Ward No. 62), Raipur, District- Raipur, Chhattisgarh - 492001, have changed my surname from **MANIKPURI** to **DEVDAS** for all future purposes. My given name **MUKESH** remains the same.

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रामकृष्ण केयर अस्पताल ब्लड सेंटर के वर्ष 24/04/2020 से 23/04/2021 तक के मरीजों के ब्लड इश्यू से जुड़ी सारी जानकारियों (रिकार्ड) को नष्ट किया जा रहा है।

अगर इस पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा इन अभिलेखों में से कुछ जानकारी लेना हो तो, इस हेतु ब्लड सेंटर प्रबंधक को लिखित में एक प्रार्थना पत्र एक महीने यानि दिनांक 15/07/2026 तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

इस तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा और नष्ट किए गए अभिलेखों के संबंध में ब्लड सेंटर की कोई न्यायिक जिम्मेदारी नहीं होगी।

दिनांक 15/06/2026 **ब्लड सेंटर प्रबंधक**

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
वात रोग, घुटने के दर्द, पीठ व कमर दर्द, स्लिपडिस्क, लिगामेंट के दर्द, साइटिका, मोटापा, सर्वाइकल, त्वचा रोग
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर), फिशर, पिलोनिडल साइनस का लेजर मशीन / क्षार सूत्र द्वारा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध
9 सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
9 सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

शिविर में 37 अफसरों व जवानों ने किया रक्तदान

आरंग। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार को कंपोजिट हॉस्पिटल भिलाई में डीआईजी मेडिकल डॉ. मनोज कुमार सिन्हा के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीआरपीएफ कैंप भिलाई के डॉक्टरों, अधिकारियों एवं जवानों ने रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीआईजी मेडिकल डॉ. मनीषा गर्ग ने विश्व रक्तदाता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। इससे अनेक जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा रक्तदान करने से शरीर पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन लोगों में इसके प्रति कई तरह की भ्रांतियां हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। डॉ. राजेश गर्ग ने बताया कि शिविर में कुल 37 अधिकारियों एवं जवानों ने रक्तदान किया। शिविर के आयोजन में श्री बालाजी हॉस्पिटल रायपुर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सीआरपीएफ के अधिकारी, कर्मचारी एवं मेडिकल स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम उल्बा में युवक की क्षत-विक्षत लाश मिली

अभनपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उल्बा में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लगभग 25 से 30 वर्ष आयु के युवक का शव गांव के बाहर खेत के किनारे सुनसान स्थान पर क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा मिला। ग्रामीणों द्वारा शव देखे जाने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटाने के साथ ही शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने तथा जांच पूरी होने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्री इंजीनियरिंग टेस्ट में अक्षत को 94वां रैंक मिलने पर हर्ष की लहर

आरंग। मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम तब और भी प्रेरणादायक बन जाता है, जब वह पूरे प्रदेश में पहचान दिलाए। नगर पंचायत समोदा अंतर्गत ग्राम कुसमुंद के होनहार छात्र अक्षत साहू ने व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्री इंजीनियरिंग टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ में 94वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र, परिवार और समाज का नाम गौरवान्वित किया है।अक्षत की इस उपलब्धि से कुसमुंद सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में खुशी का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने इसे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताते हुए उनकी सफलता पर बधाइयों का सिलसिला शुरू कर दिया है।परिवार के अनुसार अक्षत साहू प्रारंभ से ही पढ़ाई में उत्कृष्ट रहे हैं। नियमित अध्ययन, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। वे स्वर्गीय देव कुंवर एवं स्वर्गीय घसिया राम साहू के सुपौत्र तथा रीना साहू और बेदलाल साहू के सुपुत्र हैं। माता-पिता ने बताया कि अक्षत ने हमेशा बड़े लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा के साथ उनकी तैयारी की।प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान मिलने की खबर फैलते ही अक्षत के निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। समाज के वरिष्ठजन, स्थानीय नागरिक, शुभचिंतक और परिचितों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस सफलता को पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बताया। अक्षत साहू की उपलब्धि यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच के बल पर बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी नई प्रेरणा मिलेगी। परिवारजनों और शुभचिंतकों ने अक्षत को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है तथा विश्वास जताया है कि वे इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छूकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

मंदिर हसौद, नकटा और छतौना में पेयजल के लिए मचा त्राहिमाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंदिर हसौद

नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद के इंदिरा कॉलोनी आदर्श नगर गांधी ग्राम नकटा और रावण भाटा तथा ग्राम पंचायत छतौना में पानी के लिए मचा हाहाकार जहां गर्मी आते हैं पीने की पानी की किल्लत होने लगते जो अवस्था कई सालों से होते आ रहे हैं , जिसको लेकर शासन प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का कोई गंभीरता नहीं पढ़ रही , वही नगर पालिका और पंचायत द्वारा अस्थाई रूप से टेंपरेरी व्यवस्था से काम चला रहे हैं।

जहां लोगों को पीने के पानी के लिए लोगों को घंटो मशक्कत करना पड़ रहा है, जो नगर पालिका मंदिर हसौद और गांधी ग्राम नकटा को पंचायत से नगर नगरपालिका तो बना दिया गया है,लेकिन पानी की समस्या अभी भी बनी हुई है जहां लोग पीने के पानी के लिए रात 2 बजे बोर पर लाइन लगाना पड़ा और टैंकर का इंतजार करते हैं लोग ,वही मोहल्ले में स्थित कई बोर बंद तो अधिकतर बोर में वाटर लेवल डाउन जिसके चलते नगर पालिका मंदिर हसौद के नकटा और छतौना में पानी के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है , जहां नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा टेंपरेरी व्यवस्था कर टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था किया जा रहा है। जहां जनसंख्या के अनुपात में पानी के सप्लाई भी प्राप्त नहीं हो पा रहा है । जहा नगर वासियों द्वारा रात के 2:00 बजे से पानी की प्रतीक्षा करते हैं।

76 करोड़ की अमृत नल जल योजना के कार्य की गति धीमी

टैंकरों से पानी आपूर्ति

वही तपती धूप में भी टैंकर का प्रतीक्षा करते दिख जायेंगे जहां टैंकर के पहुंचते ही मिनटों में ही टैंकर हो जाते हैं खाली और कई लोगों को नहीं मिला पाती पानी जिसके कारण मोहल्ले में विवाद होना आम बात हो गई है, वही स्थित बोर वेल में भी घंटा 2 घंटा इंतजार करने के बाद 2-4 कुंडी निकलने के बाद से हापने लगते हैं और जो चिंता का विषय बना हुआ है। वही अमृत नल जल योजना के लिए मंदिर हसौद में ही लगभग 76 करोड़ की टेंडर जारी करने के बाद काम धीमी गति से चल रहा है जिसको देखने से ऐसे प्रतीत होता है कि लोगों को अमृत नल जल योजना का लाभ लेने के लिए और कई साल प्रतीक्षा करना पड़ेगा।

देश विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा

मोदी के 12 साल के सुशासन में भारत की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय छवि बदली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंदिर हसौद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को तिल्दा-नेवरा में 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने पत्रकारों से संवाद करते हुए मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

संदीप शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने सुशासन, जनकल्याण, बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश /"विकसित भारत @2047/" के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। संदीप शर्मा ने राष्ट्र निर्माण में बुनियादी ढांचे के विकास को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि देश के 26 शहरों में 1,100 किलोमीटर से अधिक का मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया है। वर्तमान में 164 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। अटल सेतु, सुदर्शन सेतु, चिनाब रेल ब्रिज, बोगीबील ब्रिज और पंबन समुद्री पुल जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं भी इसी अवधि में पूरी हुई हैं। उन्होंने बताया कि देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 164 तक पहुंच गई है। साथ ही 81 करोड़ से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में रायपुर जिला ग्रामीण प्रभारी सुरेंद्र पाटनी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला पंचायत सदस्य स्वाति वर्मा, उपाध्यक्ष शिवशंकर वर्मा, महामंत्री कृष्ण कुमार वर्मा, भाजपा नेता राम पंजवानी, कोषाध्यक्ष अरविंद ठाकुर जिला मंत्री विकास कोटवानी, शहर अध्यक्ष मनोज निषाद, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला, युवा नेता रमेश रिंकू अग्रवाल, चंद्रकुमार पाटिल, नरसिंह वर्मा, पार्षद रानी सौरभ जैन,सुरेश वर्मा ,टेकराम यदु . लक्ष्मीचंद नागवानी, भाजयुमो महामंत्री गोलू साहू, सागर पंजवानी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा नेता दीपक शर्मा ने किया। अंत में भाजपा नेताओं ने मोदी सरकार के 12 वर्षों को विकास, विश्वास और जनकल्याण का स्वर्णिम काल बताते हुए जनहितकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

जीवन में सकारात्मक बदलाव आया

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

योजना का लाभ घर-घर पहुंचाएंगे

मीडिया संवाद के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए संदीप शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार का मूल मंत्र /"सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास/" है और इसी सोच के साथ देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

मोदी के 12 साल पर भाजपा ने किया जनसंपर्क व संवाद

आरंग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के ऐतिहासिक कार्यकाल के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नगपुरा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर जिला ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष श्याम नारंग ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद स्थापित किया और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियां गिनाईं। इस दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए ग्रामीणों का मंच पर आत्मीय सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्याम नारंग ने कहा कि गांव की गलियां, अपनों का साथ और संवाद की मिठास ही हमारे भारत की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज सरकार की नीतियां और योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। जनता का यही अटूट विश्वास ही भाजपा के लिए जनसेवा की सबसे बड़ी प्रेरणा है। ग्रामीणों का स्नेह, बुजुर्गों का आशीर्वाद तथा माताओं-बहनों और युवाओं का यह आत्मीय स्वागत कार्यकर्ताओं को सदैव नई ऊर्जा प्रदान करता है। विशेष अभियान के दौरान शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के हितग्राहियों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही रामखिलावन निषाद व फेकू वर्मा, महतारी वंदन योजना की लाभार्थी फगनी निषाद व सतरूपा वर्मा तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थी भुवन वर्मा का सम्मान किया गया। इसके साथ ही दल के प्रति अनवरत निष्ठा के लिए भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता कुंजलाल वर्मा का भी विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सह कार्यालय मंत्री विश्वदीपक बघेल, मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री गजेंद्र यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामकुमार बैश, वरिष्ठ कार्यकर्ता शशांक वर्मा, सरपंच गोविंद वैष्णव, संतोष वर्मा, रोशन वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता और प्रबुद्ध ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मोदी के 12 साल बेमिसाल अभियान

■ धरसींवा के नेउरडीह और बरबन्दा पहुचे अनुज और अंजय

कूंरा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सफल एवं गौरवशाली 12वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेउरडीह और ग्राम पंचायत बरबन्दा में धरसीवां विधायक अनुज शर्मा के साथ अंजय शुक्ला उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने नेउरडीह में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के घर जाकर मुलाकात कर श्रीफल ,पुष्पगुच्छ और शाल देकर आत्मीय सम्मान किए ,और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे मे जानकारी दिए एवं ग्राम पंचायत नेउरडीह में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान ,गांव के प्रतिभावान छात्र छात्राओं ,समाज के प्रमुखों का सम्मान किए। तत्पश्चात ग्राम पंचायत बरबन्दा सरपंच श्रीमती मीरा रामकृष्ण मढहरिया के घर दोपहर भोजन और विश्राम के बाद बरबन्दा में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के घर जाकर श्रीफल, शाल, पुष्पगुच्छ देकर आत्मीय सम्मान कर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि श्री मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद लाल किले से जो वादों पूरा कर रहे है, हर वर्ग के गरीबों को पक्का मकान, इलाज के लिए आयुष्मान योजना से 5 लाख रुपये तक इलाज , किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि की राशि , सुकन्या योजना , महतारी वंदना योजना, सभी योजना हर वर्ग के गरीबों को लाभ मिल रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सरकार भी उसी के अनुरूप वादों को पूरा कर रही है। जनसंपर्क कार्यक्रम में,श्री दिनेश खूंटे उपाध्यक्ष है जनपद पंचायत धरसीवा, श्रीमती रुक्मणी वर्मा जी जनपद सदस्य धरसीवा, श्रीमती बबीता जी जनपद पंचायत सदस्य धरसीवा, श्री हरिशंकर वर्मा मंडल अध्यक्ष बोहरही, नेउरडीह सरपंच श्रीमती पार्वती बंजारे जी, बरबंदा सरपंच श्रीमती मीरा रामकृष्ण मढरिया जी, श्रीमती रुखमनी साहू सरपंच सिलियारी ,उपाध्यक्ष युवा मोर्चा,श्री अशोक साहू जी महामंत्री बोहरही, श्री अरविंद ठाकुर जी भाजपा कोषाध्यक्ष रायपुर ग्रामीण, श्रीमती रुक्मणी शिवारे जी मंडल महामंत्री बोहरही,श्री हनुमंत आडील जी युवा मोर्चा अध्यक्ष बोहरही, श्रीमती अनुपमा वर्मा जी मंडल उपाध्यक्ष बोहरही,श्री चंद्रकांत वर्मा जीयुवा मोर्चा महामंत्री, श्री दिलीप रात्रे जी अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष,श्री राजेंद्र पुरी गोस्वामी जी मंडल उपाध्यक्ष, श्री अशोक साहू मंडल महामंत्री, श्री कान्हा तिवारी जी भाजयुमो मंडल मंत्री, श्री संतोष वर्मा जी किसान मोर्चा अध्यक्ष, श्रीपुष्पेंद्र पटेल जी भाजयुमो उपाध्यक्ष,श्री रामकुमार वर्मा जी शक्ति केंद्र प्रभारी, मंडल ,गांव के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता,समाज प्रमुख ,स्थानीय जनप्रतिनिधि ,बड़ी संख्या में देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष...

दगाबाज मानसून...

बताकर इसके छत्तीसगढ़ प्रवेश की संभावित तारीख बता रहा है। रविवार को पुनः अगले 4 से 5 दिनों में मानसून के दक्षिण छत्तीसगढ़ में प्रवेश की नई अनुमानित तारीख तय की गई है। इस बार अलनीनो के प्रभाव से छत्तीसगढ़ समेत मध्य हिस्से में सामान्य से कम वर्षा की आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों की मानें तो इसका असर प्री-मानसून की बारिश पर भी हुआ है। राज्य में जून के पहले पखवाड़े यानी मानसून आने के पहले 45.7 मिमी. बारिश हो जानी थी, मगर इसका आंकड़ा केवल 20 मिमी. यानी महज 2 सेमी. पर अटका हुआ है। अच्छी बारिश नहीं होने की वजह से गर्मी ने अपना असर दिखाना कम नहीं किया है। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और पारा सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है।

शहर में आटो-ई रिक्शा की...

मालिक, ड्राइवरों को अगले सप्ताह से क्यूआर कोड का वितरण किया जाएगा। क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बगैर क्यूआर कोड के ई-रिक्शा, ऑटो चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिन स्थानों में ई-रिक्शा तथा ऑटो प्रतिबंधित है, उन स्थानों पर ऑटो, ई-रिक्शा पार्किंग करने किसी तरह से जगह चिन्हांकित नहीं की गई है।

सिस्टम पटरी पर....

ऑटो पार्किंग के लिए चिन्हांकित जगह पर जरूरी इंतजाम करने होंगे। साथ ही ऑटो, ई-रिक्शा चालकों को अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी करने के लिए तैयार करना होगा। इस तरह से नई व्यवस्था के लागू होने में एक महीने का समय लग सकता है।

नशीले पदार्थों की ...

एमिलियो एस्कोबार गैविरिया से प्रेरित होकर अपने नाम के आगे पाब्लो लगाने लगा था। रूपिंदर पंजाब से हेरोइन चिट्टा तथा अफीम तस्करी के माध्यम से लाकर यहां बेचता था। उसकी सफेमा कोर्ट मुंबई के आदेश के बाद पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पंजाब पासिंग शेवरले क्रूज कार सीएच-01-एके-2424 तथा महिंद्रा थार गाड़ी सीएच-04-एमएन-9007 को फ्रीज करने सफेमा कोर्ट ने आदेश जारी किया था। सुनवाई के तीन मौके मिलने के बाद भी रूपिंदर तथा उसके परिजन गाड़ी खरीदने के पैसों के स्त्रोत नहीं बता पाए। इसके बाद अटैचमेंट की कार्रवाई की गई। **आधा दर्जन तस्करों के खिलाफ कार्रवाई पेंडिंग** :पुलिस कमिश्नर कार्यालय के मुताबिक, मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आधा दर्जन के करीब तस्करों की सुनवाई सफेमा कोर्ट में चल रही है। सफेमा कोर्ट में सुनवाई पूरी होने में छह माह का समय लगता है। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने अवैध कारोबार में लिप्त तस्करों की कुंडली तैयार की। इसके बाद ऐसे लोगों की संपत्ति अटैच करने सफेमा कोर्ट में प्रतिवेदन पेश किया।

हाईकोर्ट का ग्रीष्मकालीन...

18 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हुआ था। इस दौरान जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन बेंचों का गठन किया गया था। प्रत्येक सप्ताह डिवीजन बेंच और सिंगल बेंच में निर्धारित दिनों पर सुनवाई जारी रही। अब सोमवार से नियमित सुनवाई होगी। ताजा जारी आदेश में हाईकोर्ट और जिला न्यायपालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां संभव हो, वे अपने सरकारी वाहनों का उपयोग अन्य अधिकारियों के साथ साझा करें। इससे ईंधन की बचत होगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

शराब दुकान से सात लाख कैश से...

टूटा हुआ मिला। इसके बाद शराब दुकान के सुपरवाइजर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।
पुलिस के अनुसार, घटना दिनांक की रात अज्ञात चोर शराब दुकान पहुंचे और दुकान के बाहर लगे लोहे के दरवाजे का ताला तोड़कर शराब दुकान के अंदर प्रवेश किए। पुलिस को आशंका है कि चोरों ने पहले लॉकर को तोड़ने की कोशिश की होगी, लॉकर नहीं टूटने पर नोटों से भरा लॉकर ही उखाड़कर ले गए। जहां शराब दुकान संचालित हो रही है, वह जगह खुले मैदान में है। मैदान के चारों तरफ का इलाका सुनसान है। मैदान के चारों तकफ बाउंड्री है। इसलिए किसी को चोरी की भनक नहीं लगी। चोर दुकान से कैश चोरी करने के साथ ही कई महंगी ब्रांड की शराब भी ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर आबकारी अफसर भी मौके पर पहुंचे।

45 पानी टंकियों की स्कॉडा से...

नए स्वचालित वॉल्व लगाने, पानी टंकियों में जल वितरण की स्थिति पर सीधेतौर पर नजर रखने स्कॉडा सिस्टम विकसित करने की योजना रही। इससे फायदा ये होता है कि फिल्टर प्लांट में बने मिनी कंट्रोल रूम और जयस्तंभ चौक के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के ऊपरी फ्लोर पर संचालित दक्ष सेंटर से एक क्लिक पर सभी पानी टंकियों में प्रतिदिन जल वितरण, टेल एंड तक पहुंचने वाले पानी के प्रेशर की मिनटों में जानकारी विभाग के अधिकारियों को मिल जाती। यही नहीं, स्कॉडा सिस्टम से पाइपलाइन लीकेज का भी पता लगाना आसान होता, पर निगम के आला अफसरों की उदासीनता के चलते यह योजना 5 साल बाद भी धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाई।

धर्मशाला जर्जर, मरीजों और अटेंडर को पार्किंग परिसर में काटनी पड़ रही सजा

पुराना डीके हास्पिटल बनने के बाद से भवन का नहीं हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

पुराना डीके एवं मातृ-शिशु हास्पिटल के हटने के बाद देखरेख के अभाव में मरीज और उनके अटेंडरों के लिए बनाई गई धर्मशाला जर्जर हो चुकी है। समय बीतने के बाद डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बना, मगर मरीजों के अटेंडरों के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से पार्किंग में रात गुजारना उनकी मजबूरी बन गई है। सरकारी अस्पताल के अटेंडरों के लिए की योजनाएं तो बनीं, मगर इस भवन की सुध नहीं ली गई। भवन के कुछ हिस्से को विभागीय कर्मचारी संगठन को कार्यालय के रूप में दिया गया, जिसका उपयोग भी अब कम ही होता है।

भीषण गर्मी के बाद डीके अस्पताल के पार्किंग परिसर में ठिकाना बनाने वाले मरीज और उनके परिजनों को बारिश की मार भी झेलनी होगी। समय-समय पर उनके सिर छिपाने के लिए योजनाओं पर चर्चा तो होती है, मगर इस पर स्थायी काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है। हास्पिटल में प्रतिदिन दो से तीन सौ मरीज इलाज के लिए आते हैं, इनमें से दस फीसदी को भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। वहीं इमरजेंसी और दूसरे हास्पिटलों से रेफर होकर आने वाले मरीजों से अस्पताल में हमेशा दो से तीन सौ मरीज भर्ती रहते ही हैं। दूरदराज से आने वाले मरीजों के परिजन देखरेख के लिए अस्पताल के पार्किंग परिसर को ही मजबूरी में अपना ठीहा बनाते हैं। जब डीके हास्पिटल से सभी बीमारियों का इलाज होता था और कैंपस में मातृ एवं शिशु चिकित्सालय था, तब आने वाले मरीजों के लिए अस्थायी ठिकाना धर्मशाला थी। अस्पताल के हटने के बाद इस भवन का उपयोग बंद-सा हो गया। वहां के कुछ कमरों को प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ को आवंटित किया गया। बाकी विभागीय हिस्सा विभागीय अनदेखी का शिकार होकर जर्जर हो गया। जानकारों का कहना है कि अगर इस भवन का रेनोवेशन कर दिया जाए तो इससे अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिल सकती है।

आंबेडकर अस्पताल का भी बन सकता है सहारा

जर्जर भवन का रेनोवेशन होने से यह डीके अस्पताल ही नहीं, आंबेडकर अस्पताल के कई मरीजों और उनके अटेंडरों का सहारा बन सकता है। आंबेडकर अस्पताल के समीप एक धर्मशाला का संचालन सामाजिक संगठन करता है। यहां भी बड़ी संख्या में दूरदराज से मध्यम और निम्नवर्ग के मरीज आते हैं। इलाज के दौरान उन्हें भी अस्पताल में रुकना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए भी यह भवन बड़ा सहारा बन सकता है।

अग्रवाल समाज ने दिया प्रस्ताव

स्वास्थ्य विभाग के अनदेखी की वजह से जर्जर हो चुके इस भवन को उपयोग के लायक बनाने के लिए कई सामाजिक संगठन सामने आ रहे हैं। अग्रवाल समाज मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उसका रेनोवेशन कराकर आवश्यक देखरेख करने की जिम्मेदारी उठाने का प्रस्ताव दे चुका है। डीके हास्पिटल के अलावा इस धर्मशाला की जमीन भी दाऊ कल्याण सिंह द्वारा शासन को दी गई थी।

पर्यटन विभाग के मोटल पर एनआरडीए का पेंच, 50 लाख की लीज के बाद 3 करोड़ का विकास शुल्क

शुल्क अधिक होने के कारण ठेका एजेंसी ने काम रोका

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

राजधानी के केंद्री गांव में स्थित पर्यटन विभाग का करोड़ों की लागत से बना मोटल अब पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुका है। करीब 10 सालों से बंद पड़े इस मोटल को फिर से आबाद करने पर्यटन विभाग ने इसे एक निजी एजेंसी को 50 लाख रुपए में लीज पर दिया था, लेकिन अब इस मोटल के जीर्णोद्धार में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का 'डेवलपमेंट चार्ज सबसे बड़ा रोड़ा बन चुका है।

करीब तीन साल पहले जब पर्यटन विभाग ने बंद पड़े इस पुराने मोटल को 50 लाख रुपए में लीज पर दिया था, तब एनआरडीए को डेवलपमेंट चार्ज देने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं थी, लेकिन जब एजेंसी ने मोटल को संवारने का काम शुरू किया, तब पता चला कि यह क्षेत्र एनआरडीए के अधिकार क्षेत्र में आता है। एनआरडीए ने एजेंसी से 3 करोड़ रुपए के डेवलपमेंट शुल्क की मांग कर दी। इतनी बड़ी राशि मांगे जाने के बाद एजेंसी ने विकास कार्य पर रोक लगा दी है।

शुल्क कम करने पत्राचार एनआरडीए ने किया इंकार

इस भारी-भरकम चार्ज को लेकर पर्यटन विभाग ने एनआरडीए को पत्राचार भी किया है, जिसमें मोटल को विकसित करने के लिए डेवलपमेंट शुल्क कम करने का आग्रह किया गया है। जानकारी के मुताबिक, एनआरडीए ने शुल्क माफ करने या कम करने से साफ इंकार कर दिया है। ऐसे में अब अगर कोई निजी एजेंसी या स्वयं पर्यटन विभाग भी इस मोटल का जीर्णोद्धार करना चाहेगा तो उसे पहले एनआरडीए को 3 करोड़ रुपए चुकाने होंगे, जिसके बाद ही वहां कोई काम हो पाएगा।

एजेंसी के लिए सिरदर्द बना एनआरडीए का शुल्क

खास बात ये है कि एजेंसी पर्यटन विभाग को अपनी लीज की दो किस्तें पहले ही दे चुकी है। एजेंसी का तर्क है कि 50 लाख में लीज पर लेने के बाद अगर 3 करोड़ रुपए सिर्फ एनआरडीए को डेवलपमेंट चार्ज के रूप में देने पड़ेंगे तो मोटल का वास्तविक विकास कैसे होगा? विभाग को पैसे देने के बाद अब एनआरडीए का यह पेंच एजेंसी के लिए भारी सिरदर्द बन गया है और मोटल एक बार फिर अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर है।

सुविधाओं के अभाव में खंडहर हुआ पांच कॉटेज वाला मोटल

पर्यटकों की सुविधा के लिए केंद्री में हरियाली के बीच यह मोटल पर्यटन विभाग द्वारा बनाया गया था, जिसमें 5 सर्व सुविधायुक्त कॉटेज बनाए गए थे, लेकिन निर्माण के कुछ सालों बाद ही यह योजना दम तोड़ने लगी। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई। जो पर्यटक यहां आए भी, उन्हें खाने और परिवहन की पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलीं। मूलभूत सुविधाओं के अभाव और पर्यटन मंडल की गलत रणनीति व फिजूलखर्ची के चलते यह मोटल पर्यटकों को लुभाने में नाकाम रहा तथा पिछले 10 साल से पूरी तरह खंडहर हो चुका है।

एनआरडीए को लिखा गया पत्र

एजेंसी ने केंद्री स्थित मोटल को 50 लाख रुपए में लीज पर लिया है, लेकिन एनआरडीए ने इसके डेवलपमेंट के लिए 3 करोड़ रुपए की मांग रखी है। शुल्क कम करने के लिए हमारी ओर से एनआरडीए को पत्र लिखा गया है, हम प्रयास कर रहे हैं कि यह शुल्क कम हो सके, ताकि मोटल का विकास कार्य शुरू हो।

- विवेक आचार्य, संचालक, पर्यटन विभाग

800 करोड़ के व्यापार की संभावना थी, चार सौ करोड़ का भी नहीं हो सका कारोबार

कपड़ों पर महंगाई की ऐसी मार, आधा हो गया शादियों के सीजन में कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में कपड़ा सेक्टर भी बुरी कदर झुलस गया है। कपड़ों की कीमत में 25 से 30 फीसदी का इजाफा होने के कारण इस बार शादियों के सीजन में कारोबार आधा भी नहीं हो सका है। इस बार सीजन में 800 करोड़ के कारोबार की संभावना थी, लेकिन चार सौ करोड़ का भी कारोबार नहीं हो सका है। आने वाले समय में त्योहारी सीजन में जहां इसका बड़ा असर पड़ेगा, वहीं देवउठनी एकादशी के बाद इस साल होने वाली शादियों पर भी इसका असर दिखेगा।

युद्ध के कारण हर सेक्टर प्रभावित हो गया है। ऐसा कोई सेक्टर नहीं होगा, जिस पर महंगाई की मार न पड़ रही हो। महंगाई की मार के कारण हर सेक्टर का कारोबार प्रभावित हो रहा है। अक्षय तृतीया के बाद का शादियों का सीजन बहुत प्रभावित हो गया है। शादियों में सबसे ज्यादा खरीदारी कपड़ों की होती है। शादियों के लिए थोक में लोग कपड़े लेते हैं, लेकिन इस बार शादियों के सीजन के समय में कपड़ों के दाम में इजाफा हो गया। ऐसा होने से कारोबार पूरी तरह से चौपट ही हो गया है।

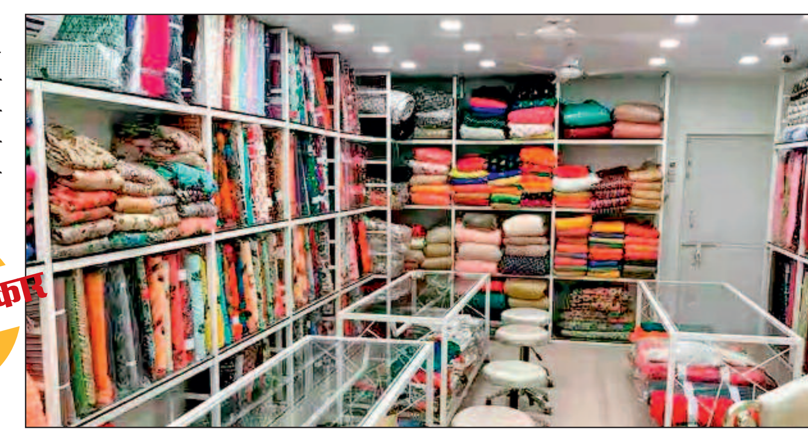

रेडीमेड कपड़ों के दाम भी बढ़े

जहां एक तरफ सामान्य कपड़ों के दाम में इजाफा हुआ है, वहीं रेडीमेड कपड़ों के दाम भी 20 फीसदी तक बढ़े हैं। रेडीमेड में हर आइटम में दाम बढ़े हैं। इसके कारण इसका कारोबार भी प्रभावित हुआ है। जहां एक तरफ शादियों के लिए कपड़े लेकर सिलवाए जाते हैं, वहीं आज की युवा पीढ़ी रेडीमेड कपड़ों पर ज्यादा ध्यान देती है। इसमें कई तरह के डिजाइन मिल जाते हैं। कारोबारियों के मुताबिक, रूमाल तक के दाम भी बढ़ गए हैं। 30 रुपए वाला रूमाल 40 रुपए हो गया है। 70 रुपए वाले रूमाल के दाम 85 रुपए हो गए हैं। अंडरगारमेंट के दाम भी बढ़े हैं। सलवार सूट, शर्ट, पैंट सभी के दाम 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं। शादियों में रेडीमेड कपड़ों की खरीदारी पर भी असर पड़ा है।

त्योहारी सीजन भी होगा प्रभावित

इस साल त्योहारी सीजन को लेकर भी कपड़ा कारोबारी परेशान है। नवरात्रि से दीपावली तक त्योहारी सीजन में कपड़ों की जमकर खरीदारी होती है। दीपावली के बाद शादियों की सीजन भी रहता है। ऐसे में इस सीजन में प्रदेश में तीन हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार हो जाता है, लेकिन इस बार इसका कारोबार भी कम से कम हजार करोड़ का कम होने की संभावना है।

आधे से भी ज्यादा कारोबार प्रभावित

इस बार शादियों के सीजन में आधे से भी ज्यादा कारोबार प्रभावित हो गया है। कपड़ों के साथ रेडीमेड कपड़ों के भी दाम बढ़ने के कारण शादियों के सीजन में जो कारोबार प्रदेश भर में 800 करोड़ के आसपास होना था, वहीं चार सौ करोड़ तक भी नहीं पहुंचा है। इस बार त्योहारी सीजन भी प्रभावित रहेगा।

- चंदर विधानी, संरक्षक, पंडरी कपड़ा एसोसिएशन

नए विकास कार्यों के लिए किया भूमिपूजन

रायपुर। शहर के ठक्कर बापा वार्ड क्रमांक-17 एवं बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक-18 में विभिन्न विकास कार्यों के लिए शुक्रवार को भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। 2 करोड़ 6 लाख की लागत से होने वाले इन विकास कार्यों का विधायक राजेश मूणत, नगर निगम लोककर्म विभाग के अध्यक्ष दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू, नंदकिशोर साहू ने किया। इस अवसर पर जोन-1 अध्यक्ष गज्जू साहू, जोन-8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, आदि उपस्थित थे।

निधन

अजय निहलानी

रायपुर। वीआईपी रोड, फ्लॉवर वैली निवासी अजय निहलानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 14 जून को न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. सुंदरदास निहलानी के पुत्र, संजय निहलानी के भाई और अमेय निहलानी के पिता थे।

सरोना से लभांडी तक बढ़ेगी सर्विस लेन की चौड़ाई, हटाए जा रहे ट्रांसफार्मर, बिजली खंबे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

■ पोल ट्रांसफर शिफ्टिंग में खर्च होंगे 24 करोड़

मुंबई से कोलकाता को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस लेन की चौड़ाई बढ़ाने की परियोजना के लिए एनएचएआई ने विद्युत विभाग को रोड किनारे लगे पोल तथा ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग के लिए पिछले सप्ताह पहली किश्त की राशि जारी कर दी है। विद्युत विभाग ने पोल तथा ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग के लिए 28 करोड़ रुपए का डिमांड नोट सौंपा था। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही पोल, ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। सरोना से लाभांडी तक करीब 14.25 किलोमीटर लंबी सर्विस लेन को 10 मीटर तक चौड़ा किया जाएगा। वर्तमान में दोनों ओर लगभग पांच मीटर चौड़ी सर्विस लेन है, लेकिन अवैध पार्किंग, ठेले-खोमचे और नालियों के कारण यहां एक साथ दो गाड़ियां निकलना भी मुश्किल हो जाता है। इस कारण लोगों को ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। बार-बार लगने वाले जाम की वजह से स्कूल बस, ऑटो, ई-रिक्शा तथा दोपहिया वाहन चालक मजबूरी में मुख्य हाईवे का उपयोग करते हैं। सुबह और शाम के समय सबसे ज्यादा जाम लगती है।

इतने पोल, ट्रांसफार्मर की होगी शिफ्टिंग

राजधानी के सबसे ज्यादा व्यस्त हाईवे में शामिल सरोना से लाभांडी के बीच सर्विस लेन चौड़ीकरण करने सर्विस रोड के दोनों तरफ 849 नग इलेक्ट्रिक पोल के साथ 69 ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने होंगे। इनमें 33 केवी, 11 केवी और एलटी लाइन के पोल शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि सड़क किनारे रायपुरा, भाठागांव, कुशालपुर समेत एक दर्जन से अधिक बड़ी कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं। ऐसे में सर्विस लेन चौड़ी होने से स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी और मुख्य हाईवे पर दबाव भी कम होगा।

मातृ-शिशु हास्पिटल में रोजाना आधा दर्जन डिलीवरी, खून के लिए रेडक्रॉस के भरोसे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

■ ब्लड स्टोरेज की सुविधा मगर लंबे समय से लायसेंस रिनीवल नहीं

आंबेडकर अस्पताल के बाद सबसे ज्यादा प्रसव की प्रक्रिया मातृ-शिशु हास्पिटल कालीबाड़ी में हो रही है। इस हास्पिटल में आपात स्थिति में खून की जरूरत होने पर रेडक्रॉस के ब्लड बैंक के भरोसे रहना पड़ता है। हास्पिटल में ब्लड स्टोरेज की सुविधा तो है, मगर लायसेंस रिनीवल नहीं होने के कारण इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। अनुमति नहीं होने की वजह से यहां एक यूनिट रक्त भी नहीं रखा जा सकता।

आमतौर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ब्लड स्टोरेज की सुविधा दी जाती है, ताकि आपात स्थिति में दूरवर्ती ब्लड बैंक तक उन्हें अनावश्यक सफर न करना पड़े। इसी तरह की सुविधा कालीबाड़ी के मातृ-शिशु चिकित्सालय में भी दी गई है। प्रसव के मामले में दूसरे बड़े अस्पताल की श्रेणी में शामिल होने के बाद केवल ब्लड स्टोरेज की सुविधा अस्पताल को मिल पाई है। दुर्भाग्य की बात यह है कि अस्पताल में सर्जरी के दौरान होने वाली आपात स्थिति में जरूरी रक्त प्रबंधन के लिए रेडक्रास ब्लड बैंक की मदद लेनी पड़ता है। इसकी एकमात्र वजह यहां के ब्लड स्टोरेज बैंक के लायसेंस का रिनीवल नहीं होना है। जानकार सूत्रों का कहना है कि लायसेंस के लिए किसी चिकित्सा अधिकारी प्रशिक्षित कर उसके दस्तावेजों के आधार पर लायसेंस प्राप्त किया जाता है।

राम मंदिर से चोरी के जो दोषी होंगे, छोड़े नहीं जाएंगे होगी कड़ी कार्रवाई : आलोक

रायपुर। विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में चोरी के मामले को लेकर कहा, मंदिर की सुरक्षा और वित्तीय व्यवस्था को लेकर सभी जरूरी इंतजाम किए गए थे। इसके बावजूद घटना हुई है। हमारा साफ कहना है कि घटना में जो भी लोग शामिल हैं, उनको छोड़ा नहीं जाएगा, फिर चाहे वे कितनी भी प्रभावशाली क्यों न हों। आलोक कुमार ने कहा, राम मंदिर ट्रस्ट भगवान राम के एक-एक पैसे के प्रति अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता है। यही वजह है कि मामले की निष्पक्ष और खुली जांच की मांग खुद तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने की है। श्री कुमार ने कहा, मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री से विशेष जांच दल गठित करने का आग्रह किया गया था। इसके बाद तीन सदस्यीय एसआईटी बनाई गई है। उन्होंने कहा, जांच दल में शामिल अधिकारियों को ऐसे मामलों की जांच का व्यापक अनुभव है और ट्रस्ट जांच में पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि हम सभी इस घटना से आहत हैं। लोगों की आस्था से जुड़ा मामला है, इसलिए सच सामने आना चाहिए। जो भी दोषी होगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। श्री कुमार ने कहा, फिलहाल जांच जारी है और किसी ट्रस्टी पर कोई आरोप नहीं है।

4 वार्ड के रहवासियों को पेयजल की समस्या का होगा स्थायी समाधान

साव ने खम्हारडीह में 2500 किलोलीटर क्षमता की पानी टंकी निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी के नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड के खम्हारडीह क्षेत्र के रहवासियों की पेयजल समस्या के समाधान के लिए खम्हारडीह में 2500 किलोलीटर क्षमता की नई पानी टंकी का निर्माण कराया जाएगा। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने रविवार को खम्हारडीह में नई पानी टंकी निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। समारोह में रायपुर उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, भाजपा शहर अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, जलकार्य विभाग अध्यक्ष संतोष-सीमा साहू, जोन 3 अध्यक्ष साधना-प्रमोद साहू, वार्ड पार्षद रोहित साहू सहित अन्य जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि की आसंदी से उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, जनता को जल की उपलब्धता करवाना हमारी सरकार का प्राथमिक दायित्व है, और राज्य शासन ने नगर निगम रायपुर को शहर में जलसंकट दूर करने नगरोत्थान योजना मद से 432 करोड़ रूपये स्वीकृत किये हैं. इसके लिए उन्होंने महापौर मीनल चौबे सहित अधिकारियों की बैठक ली और रायपुर की पेयजल समस्या को समझकर इसके लिए राशि शासन से दिलाई गई है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और महापौर मीनल चौबे के खम्हारडीह पानी टंकी हेतु किए गए सतत प्रयासों और पूर्व पार्षद रोहित साहू और पार्षद पुष्पा साहू के संघर्ष को सराहा।

ये हुए शामिल

भूमिपूजन कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी, महेंद्र खोडियार, संजना संतोष हियाल, अवतार भारती बागल, जोन 5 अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, शंकर नगर वार्ड पार्षद राजेश गुप्ता, शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड पार्षद प्रदीप कुमार वर्मा सहित रायपुर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू, पंकज के. शर्मा, विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता संजय बागड़े, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन जोन अध्यक्ष साधना-प्रमोद साहू ने किया।

पेज 11 के शेष ...

दगाबाज मानसून...

बताकर इसके छत्तीसगढ़ प्रवेश की संभावित तारीख बता रहा है। रविवार को पुनः अगले 4 से 5 दिनों में मानसून के दक्षिण छत्तीसगढ़ में प्रवेश की नई अनुमानित तारीख तय की गई है। इस बार अलनीनो के प्रभाव से छत्तीसगढ़ समेत मध्य हिस्से में सामान्य से कम वर्षा की आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों की मानें तो इसका असर प्री-मानसून की बारिश पर भी हुआ है। राज्य में जून के पहले पखवाड़े यानी मानसून आने के पहले 45.7 मिमी. बारिश हो जानी थी, मगर इसका आंकड़ा केवल 20 मिमी. यानी महज 2 सेमी. पर अटका हुआ है। अच्छी बारिश नहीं होने की वजह से गर्मी ने अपना असर दिखाना कम नहीं किया है। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है और पारा सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है।

शहर में आटो ...

मालिक, ड्राइवरों को अगले सप्ताह से क्यूआर कोड का वितरण किया जाएगा। क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बगैर क्यूआर कोड के ई-रिक्शा, ऑटो चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिन स्थानों में ई-रिक्शा तथा ऑटो प्रतिबंधित है, उन स्थानों पर ऑटो, ई-रिक्शा पार्किंग करने किसी तरह से जगह चिन्हांकित नहीं की गई है।

सिस्टम पटरी पर....

ऑटो पार्किंग के लिए चिन्हांकित जगह पर जरूरी इंतजाम करने होंगे। साथ ही ऑटो, ई-रिक्शा चालकों को अपनी गाड़ी पार्किंग में खड़ी करने के लिए तैयार करना होगा। इस तरह से नई व्यवस्था के लागू होने में एक महीने का समय लग सकता है।

नशीले पदार्थों की ...

एमिलियो एस्कोबार गैविरिया से प्रेरित होकर अपने नाम के आगे पाब्लो लगाने लगा था। रूपिंदर पंजाब से हेरोइन चिट्टा तथा अफीम तस्करी के माध्यम से लाकर यहां बेचता था। उसकी सफेमा कोर्ट मुंबई के आदेश के बाद पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर पंजाब पासिंग शेवरले क्रूज कार सीएच-01- एके-2424 तथा महिंद्रा थार गाड़ी सीएच-04-एमएन-9007 को फ्रीज करने सफेमा कोर्ट ने आदेश जारी किया था। सुनवाई के तीन मौके मिलने के बाद भी रूपिंदर तथा उसके परिजन गाड़ी खरीदने के पैसों के स्त्रोत नहीं बता पाए। इसके बाद अटैचमेंट की कार्रवाई की गई।

आधा दर्जन तस्करों के खिलाफ कार्रवाई पेंडिंग : पुलिस कमिश्नर कार्यालय के मुताबिक, मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आधा दर्जन के करीब तस्करों की सुनवाई सफेमा कोर्ट में चल रही है। सफेमा कोर्ट में सुनवाई पूरी होने में छह माह का समय लगता है। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने अवैध कारोबार में लिप्त तस्करों की कुंडली तैयार की। इसके बाद ऐसे लोगों की संपत्ति अटैच करने सफेमा कोर्ट में प्रतिवेदन पेश किया।

हाईकोर्ट का ...

18 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हुआ था। इस दौरान जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन बेंचों का गठन किया गया था। प्रत्येक सप्ताह डिवीजन बेंच और सिंगल बेंच में निर्धारित दिनों पर सुनवाई जारी रही। अब सोमवार से नियमित सुनवाई होगी। ताजा जारी आदेश में हाईकोर्ट और जिला न्यायपालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जहां संभव हो, वे अपने सरकारी वाहनों का उपयोग अन्य अधिकारियों के साथ साझा करें। इससे ईंधन की बचत होगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा।

शराब दुकान से सात ...

टूटा हुआ मिला। इसके बाद शराब दुकान के सुपरवाइजर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। पुलिस के अनुसार, घटना दिनांक की रात अज्ञात चोर शराब दुकान पहुंचे और दुकान के बाहर लगे लोहे के दरवाजे का ताला तोड़कर शराब दुकान के अंदर प्रवेश किए।

पुलिस को आशंका है कि चोरों ने पहले लॉकर को तोड़ने की कोशिश की होगी, लॉकर नहीं टूटने पर नोटों से भरा लॉकर ही उखाड़कर ले गए। जहां शराब दुकान संचालित हो रही है, वह जगह खुले मैदान में है। मैदान के चारों तरफ का इलाका सुनसान है। मैदान के चारों तकफ बाउंड्री है। इसलिए किसी को चोरी की भनक नहीं लगी। चोर दुकान से कैश चोरी करने के साथ ही कई महंगी ब्रांड की शराब भी ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर आबकारी अफसर भी मौके पर पहुंचे।

45 पानी टंकियों ...

नए स्वचालित वॉल्व लगाने, पानी टंकियों में जल वितरण की स्थिति पर सीधेतौर पर नजर रखने स्कॉडा सिस्टम विकसित करने की योजना रही। इससे फायदा ये होता है कि फिल्टर प्लांट में बने मिनी कंट्रोल रूम और जयस्तंभ चौक के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के ऊपरी फ्लोर पर संचालित दक्ष सेंटर से एक क्लिक पर सभी पानी टंकियों में प्रतिदिन जल वितरण, टेल एंड तक पहुंचने वाले पानी के प्रेशर की मिनटों में जानकारी विभाग के अधिकारियों को मिल जाती। यही नहीं, स्कॉडा सिस्टम से पाइपलाइन लीकेज का भी पता लगाना आसान होता, पर निगम के आला अफसरों की उदासीनता के चलते यह योजना 5 साल बाद भी धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाई।

खबर संक्षेप

प्रगतिशील यादव महासंघ ने साल में दो बार रक्तदान करने का लिया संकल्प

रायपुर। ब्लड डोनेशन के क्षेत्र में काम करने वाले ऐसे समाजसेवियों और संगठन का सम्मान करते हुए शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ के पदाधिकारियों में शामिल 51 बार के ब्लड डोनर रामकुमार यादव तथा 21 बार की रक्तदान दात्री अरुणा श्रीकांत यादव का सम्मान करते हुए स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस दौरान ब्लड कैंप में उपस्थित यादव बंधुओं ने प्रतिवर्ष कम से कम दो बार रक्तदान करने का संकल्प लिया। महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि रक्तदान के लिए जनता जनार्दन को जागरूक करने में शिविर के संयोजक सोमेंद्र यादव, सुजीत यादव, अशोक यादव और रविंद्र सिंह यादव ने अपने भरसक प्रयास से उड़ान कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत 11 विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र यादव, दीनदयाल यादव, गार्गी पाण्डेय, विकास कुमार पाण्डेय, सुजीत सिंह यादव, अरुणा श्रीकांत यादव, रामकुमार यादव ने रक्तदान किया।

पेंशनर्स की जायज मांगों को लेकर जल्द होगा प्रदर्शन

रायपुर। गौरव पथ स्थित कर्मचारी भवन में शनिवार को छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन की संभागीय एवं जिला शाखा रायपुर की संयुक्त मासिक बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के पेंशनर्स से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों एवं लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि प्रदेश के लगभग 1 लाख 38 हजार पेंशनर्स लंबे समय से अपनी जायज मांगों के निराकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, किंतु अब तक अपेक्षित निर्णय नहीं हो पाया है। इस संबंध में शासन स्तर पर प्रभावी पहल किए जाने तथा आवश्यक होने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रम संचालित करने पर सहमति व्यक्त की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पीआर यादव, आरके त्रिवेदी, उमेश मुदलियार, वरिष्ठ पदाधिकारी विश्वनाथ ध्रुव सहित विभिन्न जिलों एवं विकासखंडों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सवारी पिक एंड ड्राप की सुविधा नहीं, सिर्फ बोर्ड लगाकर छोड़ा

रायपुर। स्थानीय टैक्सी चालकों के अस्तित्व की रक्षा, डीजल-पेट्रोल की महंगाई के अनुपात में किराया बढ़ाने, पंजीकृत स्टैंड सहित एग्रीगेटर कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग शुरू हो गई है। स्वाभिमान युवा टैक्सी मालक कल्याण संघ से जुड़े चालकों ने आपत्ति दर्ज करवाना शुरू किया है। संघ की मांग है कि पिक एंड ड्राप की सुविधा शहर में नहीं बनाई गई है। जिन स्थानों पर ऑटो स्टैंड का बोर्ड लगाया है, वहां जगह और सुविधा का अभाव है। इससे प्रतिदिन ऑटो चालकों को पुलिस महकमे के मनमाने चालान का सामना करना पड़ रहा है। कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर राजपूत, सचिव नंद कुमार टंडन और पुनीत निर्मलकर ने संयुक्त रूप से शनिवार को मोतीबाग स्थित प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता ली। इसमें उन्होंने बताया कि प्राइवेट कंपनियों के वाहनों की एंट्री एयरपोर्ट से लेकर रेलवे स्टेशन तक है, लेकिन स्थानीय ऑटो चालकों को रोका जाता है। इस वजह से बुकिंग की सुविधा नहीं मिल रही है। हम मांग करते हैं कि शासन-प्रशासन पहले व्यवस्था बनाए और उसके बाद कार्रवाई को प्राथमिकता दे।

गजब हाल... तकनीकी विवि में नहीं होंगे दाखिले, लेकिन संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश प्रारंभ!

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि अध्ययनशाला में संचालित डिप्लोमा माइनिंग एवं डिप्लोमा फायर सेफ्टी पाठ्यक्रम में इस वर्ष दाखिले नहीं हो सकेंगे। इसके उलट तकनीकी विवि से संबद्ध जिन महाविद्यालयों में ये पाठ्यक्रम संचालित हैं, वहां प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। दरअसल, ऐसा स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि द्वारा विषय संबंधित जानकारी तय समय पर प्रेषित नहीं किए जाने के कारण हुआ है। तकनीकी विवि सहित संबद्ध महाविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया तकनीकी शिक्षा संचालनालय अर्थात डीटीई द्वारा पूर्ण की जाती है। डीटीई द्वारा काउंसिलिंग शेड्यूल जारी किए जाने के पूर्व सभी संस्थानों से उन पाठ्यक्रमों की जानकारी मांगी जाती है, जो वहां संचालित है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

सीएसवीटीयू द्वारा प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवश्यक जानकारी समय पर प्रेषित नहीं किए जाने के कारण दोनों पाठ्यक्रम काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर रह गए। वहीं पाठ्यक्रमों को लेकर लंबे समय से चल रही प्रशासनिक एवं अधोसंरचनात्मक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। अब डीटीई काउंसलिंग में शामिल विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में इन रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अवसर नहीं मिल पाएगा। उनके पास अध्ययन के लिए केवल महाविद्यालयों का विकल्प है, विवि अध्ययनशाला का नहीं।

- *सीएसवीटीयू में डिप्लोमा माइनिंग और फायर सेफ्टी पाठ्यक्रमों पर संकट*
- *तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने जारी किया डिप्लोमा इंजीनियरिंग का शेड्यूल*

आज अंतिम दिन

तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए आवेदन 11 जून से प्रारंभ हो चुके हैं। छात्र 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं। 16 जून को मेरिट लिस्ट जारी होगी। 17 जून को रात्रि 12 बजे तक दावा आपत्ति की जा सकेगी। इसके पश्चात 19 जून को आबंटन सूची जारी हो जाएगी। जिन छात्रों के नाम सूची में होंगे, उन्हें 20 से 24 जून तक प्रवेश लेना होगा। इसके पश्चात द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। डीटीई ने फिलहाल केवल डिप्लोमा इंजीनियरिंग का ही शेड्यूल जारी किया है।

कक्ष आबंटन में विलंब

सूत्रों के अनुसार, इन दोनों पाठ्यक्रमों को साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड अर्थात एसईसीएल द्वारा पूर्णतः प्रायोजित करने की प्रक्रिया भी प्रचलित थी, जिससे विश्वविद्यालय पर वित्तीय भार कम होना था और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा मिलने की संभावना थी। इसके बावजूद भवन निर्माण में विलंब तथा संचालन के लिए आवश्यक कक्षों के आबंटन में देरी के कारण प्रयोगशालाएं (लैब) समय पर पूर्ण नहीं हो सकीं। विश्वविद्यालय प्रशासन में कुलपति कार्यकाल परिवर्तन के दौरान निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होने की बात भी सामने आ रही है, जिससे लंबित विषयों पर गति नहीं आ सकी।

पंद्रहवें वित्त आयोग के जल घटक में नगर निगम को मिली 45 करोड़ की राशि

3 साल से शोपीस बनी लभांडी-फुंडहर की टंकियां अब करेंगी लोगों का गला तर, बिछ रही पाइपलाइन

रायपुर नगर निगम द्वारा राजधानी के लभांडी और फुंडहर गांव में लोगों की प्यास बुझाने अमृत मिशन के तहत बनाई गई दो नई पानी टंकियों से लोगों के घरों तक डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने का काम इन दिनों चल रहा है। पिछले 3 साल से अमृत मिशन के तहत बनाई गई नई पानी टंकियां फंड नहीं होने के चलते महज शोपीस बनकर रह गई थी। इसके कारण गर्मी के सीजन में भी पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड के लभांडी, फुंडहर सहित आसपास के इलाकों में पानी टैंकर भेजकर लोगों की प्यास बुझाने का प्रबंध नगर निगम को करना पड़ा है।

- ***अमृत मिशन में बनाई गई दो पानी टंकियां 3 साल से शोपीस***
- ***फंड मिलने के बाद काम ने पकड़ी रफ्तार***

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

पंद्रहवे वित्त आयोग के जल घटक मद में लभांडी और फुंडहर की नई पानी टंकियों से लोगों के घरों तक डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने, टंकी से मेन राइजिंग लाइन कनेक्ट करने सहित स्कॉडा सिस्टम विकसित करने नगर निगम को 45 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। नगर निगम के आउटर में स्थित जोन-9 क्षेत्र के पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड के लभांडी और फुंडहर में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए नगर निगम द्वारा अमृत मिशन के तहत दो नई पानी टंकियों का निर्माण कराया गया है। अनुबंधित एजेंसी सूरजनगर, ब्रम्हदेवनगर, चंडीनगर, लभांडी, फुंडहर बस्ती, बीएसयूपी कालोनी, संकल्प सोसायटी फेज-2 प्रधानमंत्री आवासीय परिसर कॉलोनी में नई टंकी से पानी पहुंचाने डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछा रही है।

राइजिंग लाइन बिछाने पीडब्ल्यूडी से अनुमति का इंतजार

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी के मुताबिक, लभांडी और फुंडहर की नई पानी टंकी से राइजिंग लाइन बिछाने लोक निर्माण विभाग से अनुमति के लिए पत्र लिखा गया है, अनुमति मिलते ही राइजिंग लाइन बिछाने का काम अनुबंधित एजेंसी द्वारा शुरू कराया जाएगा।

अवंति विहार से सेंट जेवियर स्कूल तक बिछेगी राइजिंग लाइन

अवंति विहार से सेंट जेवियर स्कूल होते हुए लभांडी में निर्मित नई पानी टंकी तक 40 किलोमीटर के दायर में राइजिंग लाइन बिछाई जानी है। इसमें से केवल 10 मिलोमीटर के दायरे में राइजिंग लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है, बाकी के 30 किलोमीटर दायरे में राइजिंग लाइन बिछाने लोक निर्माण विभाग से अनुमति की जरूरत है, इसलिए इस संबंध में विभाग को पत्र भेजा गया है।

अगले गर्मी सीजन में ही मिल पाएगा नई पानी टंकी से आउटर के इलाकों को पीने का शुद्ध पानी

तेलीबांधा चौक से फुंडहर तक राइजिंग लाइन

तेलीबांधा चौक से फुंडहर की नई पानी टंकी तक 30 किलोमीटर के दायरे में राइजिंग लाइन बिछाने की योजना है, चूंकि इस दायरे में लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अनुमति लेनी है, इसके लिए नगर निगम ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर राइजिंग लाइन बिछाने अनुमति मांगी है। अनुमति मिलने के बाद राइजिंग लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो पाएगा।

तीन साल पहले निर्मित पानी टंकियां बनीं शोपीस

रायपुर नगर निगम ने तीन साल पहले शहर के आउटर में स्थित वार्ड के लभांडी और फुंडहर इलाके में पेयजल आपूर्ति का विस्तार करने अमृत मिशन के तहत 2 नई पानी टंकियों का निर्माण कराया। ये दोनों टंकियां विशेष वीआईपी रोड, विधानसभा रोड और एयरपोर्ट से जुड़े इलाके में तेजी से बढ़ती आबादी को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य बनाई गईं। इसके लिए मुख्य रूप से केंद्र और राज्य सरकार की अमृत मिशन योजना के तहत नगर निगम को आवश्यक राशि प्राप्त हुई, पर संबंधित पानी टंकी को राइजिंग लाइन से जोड़ने और नई पानी टंकी से लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने फंड नहीं बचा। ऐसे में तीन साल से फुंडहर और लभांडी में करोड़ों रुपए खर्च कर बनवाई गई दो नई पानी टंकी महज शोपीस बनकर खड़ी रहीं। नई पानी टंकियों का लाभ इन क्षेत्रों के रहवासियों को आज तक नहीं मिल पाया है।

डीएड अभ्यर्थियों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर लगाई गुहार

स्पीड पोस्ट से भेजा पत्र, नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के डीएड चयनित अभ्यर्थी सहायक शिक्षक 2300 रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं। तेज धूप और उमस के बीच अपने हक की आवाज बुलंद कर रहे अभ्यर्थियों ने सहायक शिक्षक के रिक्त पदों पर जल्द नियुक्ति की मांग को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाई है। अभ्यर्थियों ने स्पीड पोस्ट से प्रधानमंत्री के नाम पत्र भेजा है। 24 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर के डीएड चयनित अभ्यर्थी सहायक शिक्षक के रिक्त 2300 पदों पर तत्काल नियुक्ति देने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर हैं। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने में प्रदेश सरकार ध्यान नहीं दे रही है। जब तक राज्य सरकार लिखित में उनकी नियुक्ति का आदेश जारी नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ डीएड अभ्यर्थी संघ के आव्हान पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से डीएड चयनित अभ्यर्थी धरनास्थल पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार योग्य डीएड अभ्यर्थियों को रिक्त पदों पर अविलंब नियुक्ति की मांग को लेकर डटे हुए हैं।

स्टाइपेंड बढ़ाने स्वास्थ्य मंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एमबीबीएस इंटर्न एवं स्नातकोत्तर (पीजी) चिकित्सा विद्यार्थियों के स्टाइपेंड में वृद्धि करने आईएमए-एमएसएन छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में वर्तमान स्टाइपेंड की अपर्याप्तता, बढ़ती महंगाई तथा अन्य राज्यों की तुलना में कम मानदेय जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि इंटर्न एवं पीजी विद्यार्थी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाला वर्तमान स्टाइपेंड उनकी आवश्यकताओं एवं कार्यभार के अनुरूप नहीं है।

प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री मांगों को गंभीरता से सुनते हुए स्टाइपेंड वृद्धि की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस विषय पर संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने निजी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए स्टाइपेंड में समानता सुनिश्चित करने के प्रयास का भी आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में सह अध्यक्ष डॉ. निलय तिवारी, डॉ. अमित बंजारा, संयोजक शाहदिल खुसरू, सह-संयोजक चैतन्य गर्ग, सचिव विकल्प गुरुंग के साथ विनय कुमार, अक्षित सरकार, सस्वत दीप्त रथ एवं विकास बैरवा शामिल थे।

जून के बिजली बिल में सुरक्षा निधि पर ब्याज न मिलने का स्मार्ट झटका

एमडी बोले- अगले माह के बिल में ब्याज की राशि कर देंगे कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में अब बिजली उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग को भी स्मार्ट किया जा रहा है। इस माह जून में जो मई का बिजली बिल आया है, वो मीटरों की रीडिंग सीधे कंट्रोल रूम में बैठकर देखकर बनाया गया है। यह पहल अच्छी तो है, लेकिन इस पहल के कारण जून के बिल में जो सुरक्षा निधि का ब्याज मिलता है, वह नहीं मिल पाया। इधर जिन उपभोक्ताओं की स्पॉट बिलिंग रीडरों ने की है, उनको जरूर सुरक्षा निधि का ब्याज मिल गया है। छत्तीसगढ़ पॉवर वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर का कहना है कि स्मार्ट मीटर वाले जिन भी उपभोक्ताओं को इस माह सुरक्षा निधि का ब्याज नहीं मिल पाया है, उनको अगले माह ब्याज मिल जाएगा।

केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रदेश में भी सभी उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 35 लाख के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। बचे मीटरों को भी बदलने का काम चल रहा है, लेकिन अब किसी भी उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। क्योंकि इसकी अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है।

पेपरलेस बिलिंग की तैयारी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने स्मार्ट मीटरों के सहारे पेपरलेस बिलिंग की तैयारी की है। पहले कदम पर जून में स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सीधे उनके मोबाइल पर बिल भेजा गया है। इससे एक बड़ा फायदा यह है कि उपभोक्ताओं को रीडरों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अक्सर रीडिंग गलत होने की शिकायत भी रहती है। ऐसी शिकायत भी नहीं रहेगी। अब गुढ़ियारी के कंट्रोल रूम से सीधे उपभोक्ताओं की माह के अंतिम दिन की रीडिंग देखकर बिल आएगा।

सुरक्षा निधि अटकी

हर साल जब भी जून में मई का बिल आता है तो इसमें उपभोक्ताओं को उनकी जमा सुरक्षा निधि पर ब्याज दिया जाता है। उपभोक्ताओं की एक माह की जितनी औसत खपत रहती है उसके आधार पर दो माह के बिल के बराबर सुरक्षा निधि ली जाती है। इसी सुरक्षा निधि पर ब्याज मिलता है। प्रदेश के उन उपभोक्ताओं को जून में आए मई के बिल में सुरक्षा निधि का ब्याज मिल गया है जिनके यहां पुराने मीटर लगे हैं, लेकिन स्मार्ट मीटरों वाले उपभोक्ताओं की सुरक्षा निधि का ब्याज अटक गया है।

रायपुर में किया अपडेट

राजधानी रायपुर के स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के बिलों को सुधार कर सुरक्षा निधि का ब्याज देकर नया बिल ऑनलाइन अपडेट कर दिया गया है। जिन उपभोक्ताओं ने बिल अपडेट होने से पहले अगर बिल जमा कर दिया है तो उनकी सुरक्षा निधि के ब्याज की राशि अगले माह के बिल में कम हो जाएगी।

तालाब सूखा...पानी गायब...

रायपुर। शिवानंद नगर स्थित नीम डबरी तालाब गर्मी के मौसम में पूरी तरह सूख गया है। तालाब के नाम पर यहां कुछ लीटर गंदा पानी बीच में बचा हुआ है, बाकी पूरे तालाब क्षेत्र में कचरा-गंदगी पसरी हुई है। वार्डवासियों को निस्तारी में बेहद दिक्कत हो रही है।

10 दिवसीय शिविर के लिए अभनपुर के मंगल भवन में की गई व्यवस्था

कांग्रेस के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में आएंगे राहुल

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत नियुक्त किए गए शहर और ग्रामीण जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर 21 से 30 जून तक होगा। यह शिविर जिला अध्यक्षों के लिए 10 दिन तक आवासीय रखा गया है। बताया गया है कि अभनपुर के अशुतोष अलका अग्रवाल मंगल भवन में शिविर आयोजित है। यहां राहुल गांधी पहले दिन जिला अध्यक्षों को संबोधित करेंगे। दूसरे दिन जिला अध्यक्षों और उनके परिजनों के साथ फोटो सेशन भी रखा गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रशिक्षण सम्मेलन में संसद के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सभी जिला अध्यक्षों से सीधे संवाद भी करेंगे। इस दौरान संबंधित जिलों की राजनीतिक, सामाजिक एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी भी लेंगे। संगठन में इस बात की चर्चा है कि प्रशिक्षण सत्र के बाद जिला कांग्रेस कमेटियों को व्यापक अधिकार दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में स्थानीय हालातों के मुताबिक फैसले लेने का दायरा भी बढ़ेगा। वहीं वे सीधे एआईसीसी के संपर्क में रहेंगे। एक तरह से जिला अध्यक्षों को ताकतवर बनाते हुए पूरे संगठन को प्रभावी बनाया जाएगा। अब तक दूसरे राज्यों में हुए प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी दो दिन दौरे पर रहे हैं। पहले दिन के कार्यक्रम के बाद दूसरे दिन जिला अध्यक्षों के परिवारजनों के साथ फोटो भी खिंचवाएंगे।

प्रियंका-खड़गे के भी पहुंचने की चर्चा

राष्ट्रीय महासचिव ने पीसीसी को निर्देश दिए हैं कि वे एआईसीसी के प्रशिक्षण विभाग से समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण में एआईसीसी के महासचिवों समेत पीसीसी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को पहले दो दिन और अंतिम दो दिन मौजूद रहना अनिवार्य होगा। इधर प्रशिक्षण सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा महासचिव प्रियंका गांधी के शामिल होने की भी चर्चा है।

शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा

बताया गया है कि प्रशिक्षण के दौरान शिविर में कांग्रेस जिला अध्यक्षों को शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। 10 दिन के शिविर में उन्हें यहीं रहना होगा। पीसीसी ने जिस मंगल भवन को इसके लिए हायर किया है, वहां पर एसी कमरे और पर्याप्त जगह को देखते हुए आयोजन यहां कराने का निर्णय लिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान ओडिशा प्रदेश के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के भी शामिल होने की संभावना है।

संगठन कैसे आगे बढ़ाएं

ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य जिला अध्यक्षों को वैचारिक रूप से मजबूत करना और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना है। बताया जाता है कि दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा के जिला कांग्रेस अध्यक्ष भी शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ पीसीसी द्वारा 41 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पांच माह पूर्व की गई थी। जिला अध्यक्षों को ज्यादा अधिकार देने की वकालत राहुल गांधी ने की थी। इसी आधार पर उन्हें प्रशिक्षण देकर संगठन के कार्यों को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इसके बारे में बताया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस बाबा सहित कई नेता भी इस शिविर में जिला अध्यक्षों को संगठन को मजबूती देने के बारे में बताएंगे।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 15 जून 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की संडे ....

लाइव इवेंट

स्टार्ट टू स्टडी में छात्रों को मिला कॅरियर मार्गदर्शन, मैजिक शो ने बच्चों को लुभाया

रायपुर। जेसीआई रायपुर संस्कार द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व कॅरियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से स्टार्ट टू स्टडी कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। आयोजक गौरांग काचा ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए विशेष रूप से कॅरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर देश के प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर एवं कॅरियर गाइड जवाहर सूरी सेठी ने विद्यार्थियों को अध्ययन की प्रभावी तकनीकों, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, परीक्षा की तैयारी एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्रसिद्ध जादूगर शोमेश थापा का भव्य मैजिक शो रहा, जो विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ-साथ प्रेरणा एवं सकारात्मक संदेश भी प्रदान किया। इस दौरान कई रोचक एवं इंटरैक्टिव प्रस्तुतियां शामिल रहीं। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आंजनेय यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ. जायेन्द्र नारंग एवं समापन सत्र में समाजसेवी राजेश अग्रवाल उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसीआई रायपुर संस्कार की अध्यक्ष जेसी बरखा अंडानी ने की। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में वन बंधु परिषद की प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन इवेंट डायरेक्टर गौरांग काचा के नेतृत्व में किया गया।

सिटी इवेंट

हथेली और उंगलियों पर करें एक्यूप्रेशर का प्रयोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा की पहल पर लोगों को सेहत के प्रति सजग करने के लिए हेल्थ कैम्प का आयोजन रविवार को किया गया। अध्यक्ष सतिंदर कोहली, मीडिया प्रभारी रोहित अरोड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव अश्विनी विग ने बताया कि गांधी उद्यान में स्थित बापू की कुटिया में प्रातः कालीन सत्र में आयोजित निःशुल्क हेल्थ कैम्प में विशेष रूप से डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने लोगों को सलाह दी। क्यूप्रेशर विशेषज्ञ ने उपस्थित लोगों को हथेली एवं उंगलियों में स्थित पॉइंट को दबाते हुए शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाले दर्द को रोकने के उपाय बताए और विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सिर दर्द, बदन दर्द, पैरों में दर्द, दांत में दर्द, घुटनों में दर्द एवं नींद नहीं आने की समस्या के निदान के लिए उपाय बताए।

दाल के दानों के साथ चिपकाएं पट्टी, मिलेगा लाभ

साथ ही, उन्होंने कलर थेरेपी एवं दाल के दानों के साथ चिपकने वाली पट्टी की मदद से विभिन्न प्वाइंट्स पर दबाव डालने (या उपचार करने) से होने वाले लाभों की सभी को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर पंजाबी सनातन सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक तिलक राज कक्कड़, सुनील डोंगर, अनूप कक्कड़, डॉ. एस. एस कुमार, नरेंद्र राजपाल, रमेश बजाज प्रमुख रूप से शामिल हुए। इनके बीच डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि भाग-दौड़ भरी दिनचर्या में सेहत के प्रति सजगता बहुत जरूरी है। इस अवसर पर संजय भूटानी, दीपक शाह, सुनील जग्गी, सुशील शकुजा, रीना राजपाल आदि उपस्थित थे।

राजधानी में विश्व रक्तदाता दिवस पर जगह-जगह आयोजन, लोगों को सेवा की भावना से जोड़ने पहल

मरीजों का जीवन बचाने के लिए 75 संस्थाओं का सम्मान

रक्तदान-जीवनदान का संदेश देने के लिए शिविर का आयोजन

'बीमारी और सड़क हादसों में घायल होने वाले मरीजों सहित थैलेसिमिया पीड़ितों का जीवन बचाने के लिए समर्पण भाव से काम करने वाली 75 संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए मेडिकल कॉलेज में रविवार को भव्य मंच सजाया गया। वहीं, 'रक्तदान जीवनदान' का संदेश देते हुए लोगों को सजग और जागरूक करने का प्रयास किया गया। इसके अलावा जगह-जगह रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए गए। इसमें विशेषज्ञों ने लोगों को रक्तदान के फायदे गिनाते हुए ब्लड डोनेट करने के लिए प्रेरित भी किया।'

रायपुर। विश्व रक्तदान दिवस पर रविवार को पं. जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग द्वारा संचालित मॉडल ब्लड सेंटर द्वारा भव्य सम्मान एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष 'मानवता की एक बूंद, रक्तदान करें, जीवन बचाएं' थीम पर मेडिकल कॉलेज के नए भवन में प्रथम तल पर स्थित लेक्चर हॉल-6 में यह आयोजन किया गया। इसमें मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.आर.ए.एम. अस्पताल के एमएस डॉ. संतोष सोनकर ने संस्थाओं के प्रबंधन की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डॉ. के.आर. सोनवानी ने जागरूकता पर जोर दिया। पैथोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. राबिया परवीन सिद्दीकी और ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अमित कुमार भारद्वाज ने रक्तदाताओं के प्रोत्साहन में प्रेरणादायी संदेश दिए। समाज में सुरक्षित, निरंतर और सुदृढ़ रक्त आपूर्ति देने के लिए 75 अग्रणी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। मॉडल ब्लड सेंटर से डॉ. अविरल मिश्रा, भूमिका यादव, प्रेमलाल बिरला, सम्मुख राव, गोपाल घुड़ें ने मिलकर प्रोग्राम को सफल बनाया।

बढ़ते कदम ने पेश की मिसाल, किया ब्लड डोनेट

समाज सेवा एवं मानवता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए रोहरा परिवार के 15 लोगों ने रक्तदान करके प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। बढ़ते कदम के मीडिया प्रभारी राजू झामनानी ने बताया कि रोहरा परिवार ने 'रक्तदान महादान है और सभी स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान' करने का संदेश दिया। रक्तदान प्रभारी बंटी जुमनानी, यथार्थ गुरुबक्षाणी ने बताया कि पहला शिविर संत बाबा आसूदाराम सत्संग भवन के पास किया गया। इसमें 78 यूनिट आशीर्वाद ब्लड बैंक एवं 79 यूनिट रामकृष्ण ब्लड बैंक को उपलब्ध करवाया गया। दूसरा शिविर मरीन ड्राइव में शाम 5 से 8 बजे तक किया, इसमें 35 यूनिट रक्तदान लोगों ने किया।

157 यूनिट रक्तदान और स्वास्थ्य जांच

पीएम मोदी सरकार के सेवा, सुशासन के 12 साल पूर्ण होने पर महावीर नगर में डॉ. अनामिका सिंह ने निःशुल्क स्वास्थ्य, नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें लोगों ने सहभागिता निभाते हुए सेवाओं का लाभ लिया। इसमें एसबीएच हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया। टीम द्वारा पात्र हितग्राहियों को चश्मों का वितरण किया गया। वहीं, ओएसिस फर्टिलिटी के सहयोग से निःसंतान दंपतियों के लिए परामर्श एवं जांच शिविर लगाया गया। इसमें 500 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। सिंधी पंचायत महावीर नगर के सहयोग से शिविर में 157 यूनिट रक्तदान हुआ। इसमें नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, भाजपा जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर भी शामिल हुए।

अधिकारियों, कर्मचारियों ने किया रक्तदान

संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड कैम्पस में 'बिलासा ब्लड सेंटर' के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस महाअभियान में ग्रुप के कर्मचारियों और प्रबंधन के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की। ग्रुप के सामूहिक प्रयास से 227 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। ग्रुप के विभिन्न केंद्रों सरोरा, कुथरेल, संभव सेवा हॉस्पिटल यूनिट में रक्तदान किया गया। ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह 227 यूनिट एकत्रित रक्त केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह संकट के समय परिवारों के लिए एक नई उम्मीद है। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

लोगों के बीच चलाया जागरुकता अभियान

रक्तदाता दिवस पर जेडीए रायपुर द्वारा पं. जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज में एक रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोगों ने रक्तदान से जुड़े अपने अनेक संशय और सवाल पूछे, जिनका डॉक्टरों द्वारा मौके पर निवारण किया गया। जेडीए के अध्यक्ष डॉ. पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करके सही तथ्यों से लोगों को रूबरू कराया गया। रक्तदान के महत्व के साथ 'क्या करें और क्या न करें' की जानकारी दी गई। वहीं, इस सत्र को सफल बनाने के लिए सभी जागरूक लोगों और डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया गया।

जगन्नाथ मंदिर का लाइव स्केच कैनवास पर उकेरता हुआ एक चित्रकार

पेंटिंग में चित्रकार ने सदर मार्केट स्थित जगन्नाथ मंदिर की खूबसूरत नक्काशी और निर्माण की तिथि को बेहद जीवंत रूप में उकेरने का अनूठा प्रयास किया है। यह शहर के युवा चित्रकार तरुण बंसल हैं, जिन्हें शहर के ऐतिहासिक व प्रसिद्ध स्थानों की लाइव स्केचिंग और पेंटिंग बनाने का शौक है।

स्तन कैंसर के जागरूकता के लिए पिंकाथॉन में दौड़े 1000 से अधिक लोग

रायपुर। स्वास्थ्य जागरूकता और महिला सशक्तीकरण का अद्भुत संगम राजधानी में देखने को मिला। 'सर्जन वीक' के उपलक्ष्य में पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल द्वारा स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता लाने के लिए भव्य 'पिंकाथॉन' का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज से ऑक्सीजोन तक आयोजित इस दौड़ में डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों, स्वास्थ्यकर्मियों, कैंसर सर्वाइवर्स और आम नागरिकों समेत 1000 से अधिक लोगों ने गुलाबी टी-शर्ट पहनकर हिस्सा लिया और कैंसर के खिलाफ एकजुटता का सशक्त संदेश दिया। मुख्य अतिथि और मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा कि स्तन कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता और समय पर जांच है। दौड़ के बाद ऑक्सीजोन परिसर में डॉ. संजय शर्मा के नेतृत्व में एक ऊर्जावान जुम्बा सत्र भी आयोजित हुआ, जिसने लोगों को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का सबसे प्रभावशाली हिस्सा एक भावनात्मक 'नुक्कड़ नाटक' रहा। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से बताया कि जागरूकता की कमी और संकोच के कारण महिलाएं समय पर जांच नहीं करातीं।

बिलासपुर बुल्स बना सीसीपीएल का नया चैंपियन

खिताबी जीत पर स्टेडियम में आईपीएल जैसा रोमांच

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन का खिताब बिलासपुर बुल्स ने अपने नाम कर लिया है। खिताबी मुकाबले में बिलासपुर बुल्स ने रायगढ़ लायंस को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस महामुकाबले के गवाह बनने के लिए प्रदेश भर से 30 हजार से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे, जहां बिल्कुल आईपीएल जैसा उत्साह और रोमांच देखने को मिला। फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साह व मंत्री गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित रहे।

रायगढ़ ने दिया था 161 रनों का लक्ष्य

प्रतियोगिता के इस हाई-वोल्टेज फाइनल मैच में बिलासपुर बुल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी रायगढ़ लायंस की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 160 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। रायगढ़ की ओर से नयन चौहान ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। इसके अलावा संगीत सोनी ने 32, आलोक साहू ने 25 और दीपक यादव ने 22 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। बिलासपुर की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए भरत गोंडवानी ने 3 विकेट झटके, वहीं वरुण सिंह भुई और मोहित राउत को 2-2 विकेट हासिल हुए।

16.3 ओवर में बिलासपुर ने दर्ज की खिताबी जीत

161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स की टीम ने आक्रामक शुरुआत की और 16.3 ओवरों में मात्र 3 विकेट खोकर 164 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। बिलासपुर की ओर से पवन परनाते ने 39 रन, विकल्प तिवारी ने नाबाद 39 रन और आयुष पांडे ने 33 रनों की शानदार मैच जिताऊ पारियां खेलीं। रायगढ़ की ओर से प्रवीण कुमार यादव और शुभम अग्रवाल को 1-1 विकेट मिला। बिलासपुर के भरत गोंडवानी को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिली

सीसीपीएल के पहले चैंपियन बने बिलासपुर बुल्स को ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता रही रायगढ़ लायंस की टीम को 11 लाख रुपए के पुरस्कार से नवाजा गया। पूरे टूर्नामेंट में शानदार ऑलराउंड खेल दिखाने वाले बिलासपुर बुल्स के विकल्प तिवारी को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब दिया गया। वहीं, टूर्नामेंट में बेहतरीन बल्लेबाजी करने वाले रायगढ़ लायंस के संगीत सोनी 'बेस्ट बैटर' (सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज) चुने गए। अपनी शानदार गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले बिलासपुर बुल्स के रुद्र प्रताप देहरी को 'बेस्ट बॉलर' के साथ-साथ 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' के दोहरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ी गीतों पर झूमे दर्शक, दिखा गजब का उत्साह

मैच के दौरान स्टेडियम का माहौल किसी उत्सव से कम नहीं था। मैच शुरू होने से पहले 'दायरा जादू बस्तर बैंड' ने अपनी शानदार लाइव प्रस्तुति दी। बैंड के छत्तीसगढ़ी गीतों ने मैदान का माहौल ही बदल दिया। हर ओवर के खत्म होने पर जब छत्तीसगढ़ी और हिंदी गाने बजते, तो स्टेडियम का शोर दोगुना हो जाता था। दर्शकों ने बल्लेबाजों द्वारा लगाए गए हर चौके और छक्के का ढोल-नगाड़ों के साथ जमकर जश्न मनाया। आईपीएल की तरह ही स्टेडियम के हर लोअर स्टैंड में खचाखच भीड़ थी। कई दर्शक अपनी पसंदीदा टीम की जर्सी पहनकर समर्थन करने पहुंचे थे। वहीं, बाउंड्री के बाहर छक्के से आने वाली गेंद को लपककर आकर्षक इनाम जीतने के लिए भी दर्शकों के बीच होड़ मची रही। खेल प्रेमियों ने इस आयोजन की जमकर सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में हर साल इस तरह की भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता होती रहनी चाहिए।

सिटी लाइव

शास्त्रीय संगीत से सजी भक्ति गीतों की स्वरांजलि से श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

रायपुर। शहर के शांतिनगर में पुरुषोत्तम मास की पूर्णाहुति के अवसर पर भक्तिमय संगीत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रविवार को यह आयोजन चित्पावन समाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ सुप्रसिद्ध गायिका सुमन कल्याणपुर की स्मृति को नमन करते हुए मंजूषा बेड़ेकर द्वारा प्रस्तुत मराठी अभंग देव माझा विठू सांवरा...सॉग्स से हुआ। संत परंपरा और वारकरी भक्ति की मधुर भावना से ओतप्रोत इस अभंग में भगवान विठ्ठल के प्रति अनन्य प्रेम, समर्पण और भक्तिभाव की प्रस्तुति ने श्रोताओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इस प्रस्तुति में पं. कमल मुखर्जी ने तबले पर सुमधुर संगत प्रदान की। इसके पश्चात प्रख्यात न्यूरोसर्जन डॉ. अजय नागराज ने मोहन वीणा (गिटार) पर राग भीमपलासी की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने विलंबित एकताल में बड़े ख्याल के गायकी अंग से राग की गंभीर एवं भावपूर्ण आलाप प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का आरंभ किया। इसके बाद विलंबित तीनताल में तंत्रकारी अंग की बढ़त, आलाप, तान एवं विविध राग-विस्तार द्वारा अपनी साधना और कलात्मकता का परिचय दिया।

बंदिशें और वादन की अद्भुत जुगलबंदी

कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रसिद्ध बंदिश जा जा रे अपने मंदिरवा...को मोहन वीणा पर अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया तथा तीनताल के प्रभावशाली झाला के साथ वादन का समापन हुआ। संपूर्ण प्रस्तुति के दौरान पं. कमल मुखर्जी ने तबले पर अत्यंत सशक्त एवं संवेदनशील संगत प्रदान की। बीच-बीच में उनके द्वारा प्रस्तुत विविध टुकड़े, तोड़े, लयकारी एवं आकर्षक तबला वादन ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। श्रोताओं ने मोहन वीणा एवं तबले के इस सुंदर संवाद का भरपूर आनंद लिया।

● संडे मूवी मस्ती का शानदार तीसरा सप्ताह, दर्शकों की उमड़ी भीड़

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की संडे मूवी मस्ती में छत्तीसगढ़ी फिल्म देख गदगद हुए दर्शक

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की संडे मूवी मस्ती के तीसरे सप्ताह श्याम टॉकीज में छत्तीसगढ़ी फिल्म धनेश की आराधना दिखाई गई। मूवी देखने समर सीजन की छुट्टी मना रहे स्कूली बच्चे अपने परिजनों और दोस्तों के साथ बड़ी संख्या में पहुंचे। सुबह 8 बजे से 12 बजे तक प्रथम शो के लिए दर्शकों में मूवी मस्ती को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह 7 बजे से ही दर्शक बूढ़ा तालाब के पास स्थित श्याम टॉकीज पहुंचकर कतार में लग गए। इनमें स्कूली बच्चे, पैरेंट्स के साथ मूवी मस्ती के साथ स्पेशल संडे मनाते दिखे।

नए-पुराने पाठकों से रिश्ते को मजबूत बना रहा

मूवी मस्ती में स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सीनियर मैनेजर मार्केटिंग एवं जनसपर्क अधिकारी राहुल कुमार ने हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरिभूमि समाचार पत्र के वह नियमित पाठक हैं। वहीं, टीवी समाचार चैनल आईएनएच न्यूज स्थानीय व नेशनल खबरों की अच्छी प्रस्तुति होती है। संडे मूवी मस्ती की पहल नए-पुराने पाठकों से हरिभूमि समाचार पत्र का रिश्ता छत्तीसगढ़ के हर वर्ग से और मजबूत बन रहा है। यह छत्तीसगढ़ का सबसे लोकप्रिय अखबार है। हरिभूमि-आईएनएच न्यूज की मार्केटिंग टीम ने मूवी मस्ती में स्पेशल गेस्ट का बुके भेंट कर स्वागत किया।

रायपुर। पूरे शो के दौरान सभी दर्शक फिल्म में छत्तीसगढ़ी माटी की सोंधी खुशबू में रचे-बसे धनेश की आराधना की कहानी, गीत-संगीत, हंसी-मजाक को देखकर हंसते गुदगुदाते रहे। आयोजन में खासकर सिटी के स्कूली बच्चों, आमजनों, हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के पाठक-दर्शकों का हर साल की तरह इस साल भी खूब प्यार मिल रहा है। तीसरे सप्ताह में संडे मूवी मस्ती का टिकट हाथों में थामे सिनेमाघर पहुंचने वाले सभी वर्ग के सैकड़ों दर्शकों के उत्साह ने इस आयोजन की लोकप्रियता को बयां किया।

हर वर्ग के दर्शकों को भा रहा मूवी मस्ती

स्कूली छात्र-छात्राओं, कॉलेज स्टूडेंट्स, सिटी यूथ और सिनेमा प्रेमियों की पूरी टोली हरिभूमि-आईएनएच न्यूज, संडे मूवी मस्ती एंजॉय करने पहुंची। छात्र-छात्राओं ने कहा कि हर साल उनकी गर्मी की छुट्टियों को हरिभूमि-आईएनएच न्यूज फुल इंटरटेनिंग बनाता है। इस साल भी मनपसंद मूवी देखने का अवसर मिला है, जिससे हमारा समर वेकेशन यादगार बन रहा है।

मूवी मस्ती से हमारा संडे खास बन गया

अपने परिवार के साथ संडे मूवी मस्ती में फिल्म का आनंद लेने पहुंचे बच्चों व पैरेंट्स ने कहा कि हरिभूमि समाचार पत्र और आईएनएच न्यूज का यह आयोजन बेहद ही मनोरंजक है। परिवार व दोस्तों के साथ फिल्म देखने का अवसर मिलने से हमारा संडे खास बन गया है। इसके लिए हरिभूमि समाचार पत्र और आईएनएच न्यूज का बेहद आभारी हैं।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

आयोजन में हरिभूमि-आईएनएच न्यूज मार्केटिंग के एजीएम प्रशांत तिवारी, मार्केटिंग टीम के सदस्य आनंद मिश्रा असिस्टेंट मार्केटिंग मैनेजर, मूलचंद कश्यप, विजय शर्मा, कुणाल सेन सहित प्रसार विभाग टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे।

संडे मूवी मस्ती के विशेष सहयोगी

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज, संडे मूवी मस्ती के विशेष सहयोगियों में श्याम टॉकीज बूढ़ा तालाब, स्पॉन्सर अविनाश ग्रुप, सिंघानिया ग्रुप, मैजिक पेंट, नारायणा एनएचएमएमआई, श्रीनारायणा हॉस्पिटल, श्रीबालाजी बिल्डर, श्रीस्वास्तिक, रहेजा ग्रुप, हर्षित सिंघानिया बिल्डकॉन, कलिंगा यूनिवर्सिटी, जायका ऑटोमोबाइल, शिवनाथ हुंडई, रालास मोटर्स, स्काई ऑटो, निराकार हॉस्पिटल, खंडेलवाल पॉली क्लीनिक, हीरा बेकरी, न्यूज 21 प्लस, सिंघानिया सरोवर पोर्टिको, बावर्ची रेस्टोरेंट शामिल हैं।

इवेंट लाइव

छग को मिली जीवन विद्या के राष्ट्रीय सम्मेलन की जिम्मेदारी

रायपुर। जीवन विद्या ने आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को दी गई है। इस संबंध में रायपुर स्थित निरंजन धर्मशाला में अभ्युदय संस्थान अछोटी द्वारा आयोजित आठ दिवसीय जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर के अंतिम दिन रविवार को सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक की गई। इसमें उत्तर प्रदेश (बांदा) में आयोजित पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुभवों एवं निर्णयों को साझा किया गया। शिविर के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने मूल्यांकन पेश किया। प्रबोधक सोमदेव त्यागी ने कहा कि अध्ययन बिंदु शिविर का अगला चरण छह मासिक अध्ययन शिविर होगा। इसका आयोजन अभ्युदय संस्थान अछोटी में किया जाएगा। वहीं, तीन मासिक अध्ययन शिविर का आयोजन हापुड़ (नई दिल्ली) में होगा।

आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन की रूपरेखा तैयार

उन्होंने बताया कि इसके बाद दिसंबर में जीवन विद्या का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें देश-विदेश से लगभग 1500 से 2000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। इसके पूर्व नागपुर, अहमदाबाद और बांदा में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं। देशभर में संचालित जीवन विद्या आधारित गतिविधियों के विस्तार और आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसमें सोम त्यागी, सुरेंद्र पाल, बीआर अग्रवाल, उम्मेद नाहटा, अंकित पोगुला, अवधेश पटेल, संकेत ठाकुर प्रमुख रूप से शामिल हुए। आगामी व्यवस्थाओं और समितियों की प्रगति की समीक्षा के लिए अगली बैठक अभ्युदय संस्थान अछोटी में 12 जुलाई को प्रस्तावित है।

उत्कृष्ट फिल्म निर्माण के लिए एस अंशु धुरंधर को मिला सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोक परंपराओं, जननायकों और क्षेत्रीय विरासत को फिल्मों के जरिए व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने वाले युवा फिल्मकार एस अंशु धुरंधर को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग के तत्वावधान में किया गया, जिसमें कला, साहित्य, संस्कृति और फिल्म जगत से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि फिल्में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज, संस्कृति और इतिहास को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाने का साधन भी हैं। कार्यक्रम में छग फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन ने कहा कि प्रदेश के युवा रचनाकारों के लिए ऐसे उदाहरण प्रेरणा का स्त्रोत बनते हैं।

यूनियन क्लब के समर कैंप और रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

रायपुर। यूनियन क्लब में रविवार को मेगा समर कैंप-2026 और छत्तीसगढ़ टेनिस प्रीमियर लीग का समापन हुआ। इस अवसर पर क्लब में समर कैंप के सफलतापूर्वक 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में केक काटकर रजत जयंती समारोह मनाया गया। बीते 2 मई से आयोजित इस कैंप में बच्चों को स्विमिंग, बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस और बिलियड्र्स का बेहतरीन प्रशिक्षण दिया गया। समापन कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय सहित अन्य अतिथियों ने ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

विजेताओं को मिले पुरस्कार

समापन के मौके पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई। बैडमिंटन के विभिन्न आयु वर्गों में ईशान नथानी, यशाश्वी सिंह, राघव वर्मा, एकलव्या यादव और आदित्य सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लॉन टेनिस के बिगिनर्स, सीनियर और एडवांस लेवल में क्रमशः वेदांश देवांगन, मीत पटेल और आरव मेरिल ने जीत दर्ज की। वहीं, सीटीपीएल के फाइनल मुकाबले में टीम बेसलाइन ने टीम एपिसम को 3-2 से हराकर शानदार जीत हासिल की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, गणमान्य नागरिक और अभिभावक उपस्थित रहे।

आभासी दुनिया से बाहर निकालकर खेलों से जोड़ें

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यूनियन क्लब बीते 25 वर्षों से खेल प्रतिभाओं को निखारने और बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। क्लब के अध्यक्ष गुरुचरण सिंह होरा के प्रयासों से बच्चे अनुशासन और आत्मविश्वास सीख रहे हैं। वहीं, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने जोर देते हुए कहा कि आज बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया से बाहर निकालकर खेल के मैदानों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यूनियन क्लब के अध्यक्ष सरदार गुरुचरण सिंह होरा ने बताया कि क्लब हर वर्ष लगभग पंद्रह सौ बच्चों को खेलों के साथ-साथ संस्कार और जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दे रहा है।

36वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप का समापन, मध्यप्रदेश ओवरऑल चैंपियन

रायपुर। नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में 12 से 14 जून तक आयोजित 36वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर (बालक-बालिका) और सब-जूनियर चैंपियनशिप 2026 का समापन हुआ। भारतीय कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस स्पर्धा के तीसरे और अंतिम दिन मेजबान छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 4 पदक अपने नाम किए। कोच पिंकी साहू और अशोक साहू के मार्गदर्शन में सब-जूनियर बालक वर्ग के सी-4 (200 मीटर) इवेंट में तोरण साहू, लक्ष्य, लाइसीम्बा और सैमसंग की चौकड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाया। वहीं, जूनियर महिला वर्ग के के-2 (500 मीटर) इवेंट में राधा व वंशिका ने रजत और पुरुष वर्ग के सी-2 (500 मीटर) इवेंट में लक्ष्य व दीपक ने रजत पदक जीता। इसके अलावा के-4 (200 मीटर) सब-जूनियर बालक वर्ग में प्रयास, प्रयाग, अजय और रेहान ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

मध्य प्रदेश का रहा दबदबा

देश भर के 24 राज्यों के लगभग 800 खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का ओवरऑल खिताब मध्य प्रदेश ने जीता। मध्य प्रदेश ने 25 स्वर्ण, 18 रजत और 3 कांस्य पदक जीतते हुए कुल 257 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, केरल की टीम 8 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य पदकों (कुल 103 अंक) के साथ दूसरे तथा ओडिशा की टीम 74 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री अरुण साव उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया और भारतीय कयाकिंग-कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस सफल और भव्य आयोजन के लिए संघ के संयुक्त सचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी, रूपेंद्र सिंह चौहान, अखिलेश दुबे, सुमित तिवारी, अमित तिवारी, द्रोण ध्रुव, प्रवीण कुमार, अशोक दुबे, राकेश ठाकुर, योगेंद्र साहू, ओमेश वर्मा और अजय कुमार आदि पदाधिकारियों का प्रयास अत्यंत सराहनीय रहा।

दो दिवसीय जड़ी-बूटी द्वारा उपचार शिविर में 500 लोगों ने असाध्य रोगों से राहत पाने उठाया लाभ

जंगली जड़ी-बूटी से किडनी-लिवर, अस्थि रोगों से निजात पाने वैद्यराज के पास पहुंचे मरीज

कार्नर न्यूज

रायपुर। बीटीआई ग्राउंड के सामने स्थित सिंधु पैलेस में आयोजित दो दिवसीय जड़ी-बूटी उपचार शिविर का समापन हो गया। 13 जून से शुरू शिविर का शुक्रवार को शाम 4 बजे समापन हुआ। इसमें प्रदेश भर के ख्यात अनुभवी वैद्यराजों ने जंगली जड़ी-बूटियों से तैयार औषधियों से शिविर में पहुंचे 500 से अधिक लोगों का उपचार किया। महासमुंद जिले के तेंदूकोना-पंडरीखार गांव से पहुंचे वैद्यराज गन्नु प्रभाकर ने पथरी व किडनी रोग से ग्रसित लोगों का उपचार किया। उन्होंने बताया कि वरुण, अपामार्ग, पुनर्नवा, लाजवंती, मूली क्षार और पाषाण भेद के पौधों से समान मात्रा में अर्क निकालकर पथरी की बीमारी के उपचार की औषधि तैयार की है। इस औषधि के सेवन से पथरी की बीमारी दूर हो जाती है।

वहीं, नींबू के भष्म, भुट्टे के रेशे और नीम-पीपल के स्ट्रेट से तैयार औषधि से किडनी से संबंधित बीमारी का अचूक इलाज संभव है। यह शिविर हेल्थ केयर एंड शेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में सर्व समाज के स्वास्थ्य हित में आयोजित किया गया। संस्था के वरिष्ठ अध्यक्ष विनोद कुमार वच्छानी और वरिष्ठ सदस्य ओम प्रकाश त्रिथानी ने बताया कि शिविर में छत्तीसगढ़ के वनांचल के अनुभवी वैद्यों ने मरीजों का उपचार जड़ी-बूटियों से तैयार औषधियों से किया

इन बीमरियों का किया गया उपचार

शिविर में पीलिया, किडनी रोग, चर्म रोग, लीवर संबंधी समस्याएं, हड्डी एवं जोड़ दर्द इत्यादि विभिन्न असाध्य रोगों के निदान के संबंध में परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। साथ ही, आवश्यक औषधियां भी न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध कराई गईं। आयुर्वेद हमारी परंपरा ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की एक मूल्यवान विरासत है। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी जागरूक करना आवश्यक है।

पारंपरिक जड़ी-बूटी उपचार पद्धति के 8 वैद्यराजों की टीम

शिविर में बस्तर, नगरी, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, महासमुंद, धमतरी सहित वनांचल क्षेत्रों से 8 वैद्यराजों की टीम ने भाग लिया। इनमें वैद्यराज भगवान सिंह नेताम, ओमप्रकाश यादव, मेघराज वर्मा शामिल हैं। शिविर में सभी वैद्यराजों ने प्रदेश के जंगलों और पहाड़ों से खोजी गई पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उपचार पद्धतियों के माध्यम से मरीजों की जांच की और संबंधित रोगों के निदान के लिए जड़ी-बूटी से बनी औषधियां व परामर्श दिया।

सिटी स्पोर्ट्स

राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने झटके 2 स्वर्ण

रायपुर। राजधानी के नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में तीन दिवसीय 36 वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर पुरुष एवं महिला एवं सबजूनियर बालक एवं बालिका प्रतियोगिता 12 जून को शुरू हुई। भारतीय व राज्य कायकिंग कैनोइंग एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में प्रतियोगिता का दूसरा दिन छत्तीसगढ़ के नाविको के नाम रहा। जिसमे 2 स्वर्णिम सफलता अर्जित हुई।

सबजूनियर बालक वर्ग मे पहला स्वर्ण दीपक एवं लक्ष्य की जोड़ी ने छत्तीसगढ़ को सी-2 500 मीटर इवेंट मे दिलाया।दूसरा स्वर्ण सी4 500 मीटर इवेंट मे सैमसंग, तोरण साहू, गणेश साहू, एवं लाइसीमा की जोड़ी स्वर्णिम सफलता दिलाई। टीम की कोच पिंकी साहू, अशोक साहू है। प्रतियोगिता मे सम्पूर्ण भारत वर्ष से 24 राज्यों के 800 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। छत्तीसगढ़ की इस स्वर्णिम सफलता पर संघ के संयुक्त सचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी, रूपेंद्र सिंह चौहान, अखिलेश दुबे, सुमित तिवारी, अशोक दुबे, राकेश ठाकुर, योगेंद्र साहू, ओमेश वर्मा आदि ने बधाई दिए।

अंडर-16 टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप में स्टील सिटी भिलाई और ब्रम्हविद की शानदार जीत

रायपुर। स्वर्गीय हुसैन कुरैशी की स्मृति में आयोजित रूंगटा अंडर-16 टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप के पहले मैच में स्टील सिटी भिलाई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी महासमुंद को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। टर्मिनेटर महासमुंद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 129 रन बनाए। जिसमें देवांश दास महंत ने 35 रन का योगदान दिया। स्टील सिटी भिलाई की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए निशानजित सिंह ने 5 विकेट एवं कुमार कृतार्थ ने 2 विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टील सिटी भिलाई ने अंतिम गेंद में इस लक्ष्य को प्राप्त किया। स्टील सिटी की ओर से आदित्य सिंह ने 38 रन बनाए। वहीं टर्मिनेटर के तरफ से गेंदबाजी में अनुराग एवं लावण्य ने 1-1 विकेट प्राप्त किये! स्टील सिटी ने यह मैच 5 विकेट से अपने नाम किया। मैन ऑफ द मैच स्टील सिटी के निशानजीत सिंह रहे। स्पर्धा के दूसरे मुकाबले में अटल क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और ब्रम्हविद क्रिकेट एकेडमी को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया।

ब्रम्हविद ने पहले बल्ले बाजी करते हुए 150 रन बनाए। ब्रम्हविद की ओर से बल्लेबाजी में अंकुश कुमार ने 34 एवं मृणाल सिन्हा ने 33 रन का योगदान दिया। अटल क्रिकेट एकेडमी की तरफ से गेंदबाजी में ऋषि पोटभरे एवं आयुष सिंह ने 2-2 विकेट हासिल किए। 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अटल क्रिकेट एकेडमी की टीम मात्र 38 रन ही बना सकी। ब्रम्हविद क्रिकेट एकेडमी की तरफ से गेंदबाजी में ललित गोस्वामी ने 5 और चंद्रप्रकाश साहू ने 2 विकेट प्राप्त किये। ब्रम्हविद क्रिकेट एकेडमी ने यह मैच 112 रनों से जीता और मैन ऑफ द मैच चंद्रप्रकाश साहू रहे।

राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे छत्तीसगढ़ के तैराक

रायपुर। अहमदाबाद में 16 से 21 जून तक आयोजित राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ तैराकी दल में बिलासपुर के 7 तैराक शामिल होंगे। बिलासपुर कॉरपोरेशन तैराकी संघ के सचिव हेमंत सिंह परिहार ने बताया कि राज्य स्तरीय चयन ट्रायल बीते 7 जून को रायपुर इंटरनेशनल स्विमिंग पूल में आयोजित की गई थी। जिसमें बिलासपुर कॉरपोरेशन के 7 तैराकों ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में जगह बनाई। चयनित खिलाड़ियों में आरव शर्मा, अमर साहू, अभय साहू, अनुष्का भगत, अजिंक्य सिंह, गीतिका घोष और शिवांगी पाण्डेय शामिल है। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बद्री प्रसाद गुर्जर, सतीश सिंह ठाकुर, हेमंत सिंह परिहार, शंकर पांडे, मनोज कश्यप, बीएस यादव, सागर सिंह परिहार, दिनेश सिंह, विनय सिंह आदि ने शुभकामनाएं दी है।

इंसुलिन को लेकर मरीजों में फैला भ्रम दूर किया जाना जरूरी

एक बार इंसुलिन शुरू होने के बाद बंद होने का इंतजार मत कीजिए, जानिए इसकी जरूरत आपको है कब तक

टाइप-1 डायबिटीज में इंसुलिन जीवनभर जरूरी होता है क्योंकि शरीर इसे बनाना बंद कर देता है। लेकिन टाइप-2 डायबिटीज में स्थिति अलग होती है। क्या एक बार इंसुलिन शुरू होने के बाद कभी बंद नहीं होता है? डायबिटीज वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती सबसे गंभीर बीमारियों में से एक है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 589 मिलियन (5819 करोड़) से ज्यादा लोग डायबिटीज से प्रभावित हैं। ये दुनियाभर में हर 9 में से 1 व्यक्ति को प्रभावित करने वाली स्थिति है। डायबिटीज को सिर्फ खून में शुगर की मात्रा बढ़ने की समस्या मानना ठीक नहीं है, ये एक मेटाबॉलिक बीमारी है जिसका असर संपूर्ण स्वास्थ्य पर पड़ता है।

पहले जहां ये बीमारी आमतौर पर उम्रदराज लोगों में देखी जाती थी, वहीं अब कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चों में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे है। खराब लाइफस्टाइल, खान-पान में गड़बड़ी, शरीरक गतिविधियों में और स्ट्रेस ने इसके खतरे को और भी बढ़ा दिया है।

आहार और लाइफस्टाइल में सुधार के साथ नियमित दवाओं के सेवन से इस रोग के खतरे को कम किया जा सकता है। डायबिटीज के कई मरीजों को आपने भी इंसुलिन के इंजेक्शन लेते देखे होंगे। आइए जानते हैं कि

मरीजों तो इंसुलिन इंजेक्शन की जरूरत कब पड़ती है?

पहले जान लीजिए कि इंसुलिन इंजेक्शन का काम क्या है?

ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के लिए हमारा शरीर एक महत्वपूर्ण हार्मोन बनाता है जिसे इंसुलिन कहा जाता है। जब किसी कारण से शरीर इसे बनाना बंद कर देता है या पर्याप्त मात्रा में नहीं बना पाता, तब शुगर लेवल बढ़ने लगता है। यही वजह है कि कई मरीजों को इंसुलिन इंजेक्शन लेना पड़ता है।

आमतौर पर टाइप-1 डायबिटीज के शिकार लोगों या फिर जिन लोगों का टाइप-2 डायबिटीज दवाइयों, डाइट और एक्सरसाइज से कंट्रोल नहीं हो पाता उन्हें इंसुलिन इंजेक्शन लेने की सलाह दी जाती है।

टाइप-2 डायबिटीज में कब लेते हैं इंसुलिन इंजेक्शन?

इंसुलिन इंजेक्शन शरीर में इंसुलिन की कमी को पूरा करके काम करता है। यह शरीर में कोशिकाओं को एक्टिवेट करता है ताकि रक्त में मौजूद शुगर ग्लूकोज अंदर जा सके और शरीर को ऊर्जा मिल सके।

इंसुलिन इंजेक्शन को शुगर कंट्रोल करने का सबसे असरदार तरीका माना जाता है, पर हर डायबिटीज मरीज को इंसुलिन की जरूरत हो, यह जरूरी नहीं है। टाइप-2 डायबिटीज की स्थिति में शरीर इंसुलिन बनाता तो है लेकिन उसका सही उपयोग नहीं कर पाता। शुरुआती स्थिति में मरीजों को दवाइयों, डाइट कंट्रोल और एक्सरसाइज से शुगर नियंत्रित करने की सलाह दी जाती है। जब अग्नाशय धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है और शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता, तब डॉक्टर इंसुलिन शुरू कर सकते हैं।

टाइप-1 डायबिटीज में इंसुलिन इंजेक्शन

डॉक्टर बताते हैं, टाइप-2 डायबिटीज से विपरीत टाइप-1 डायबिटीज के मरीजों को जीवनभर इंसुलिन इंजेक्शन लेना पड़ सकता है। टाइप-1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से पैंक्रियास की इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं को अटैक कर देता है। इस स्थिति में शरीर

लगभग बिल्कुल इंसुलिन नहीं बना पाता, इसलिए बाहरी इंसुलिन लेना जीवन के लिए आवश्यक हो जाता है। इस बीमारी में बिना इंसुलिन के ग्लूकोज कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता, जिससे ब्लड शुगर खतरनाक स्तर तक बढ़ सकता है। इससे शरीर के कई अंगों के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या इंसुलिन शुरू होने के बाद इसे हमेशा लेना पड़ता है?

अक्सर लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि क्या एक बार इंसुलिन इंजेक्शन शुरू होने के बाद फिर जीवनभर इससे छुटकारा नहीं पाया जा सकता? डॉक्टर कहते हैं, टाइप-1 डायबिटीज में तो इंसुलिन इंजेक्शन जीवनभर के लिए जरूरी होता है क्योंकि शरीर इसे बनाना बंद कर देता है। हालांकि टाइप-2 डायबिटीज में स्थिति अगर मरीज अपनी लाइफस्टाइल सुधार ले, वजन कंट्रोल रखे तो शरीर की इंसुलिन संवेदनशीलता बेहतर हो जाती है।

मोबाइल फोन से बढ़ रहा है ब्रेन ट्यूमर का खतरा,जानिए हकीकत

ब्रेन हमारे शरीर का मास्टर अंग माना जाता है। सभी अंगों को किस प्रकार से काम करना है, भूख से लेकर नींद तक सब कुछ यहीं से कंट्रोल होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को मस्तिष्क की सेहत को लेकर विशेष सावधानी और सतर्कता बरतते रहने की सलाह दी जाती है। दुर्भाग्यवश हमारे दिनचर्या की कुछ गड़बड़ आदतें ब्रेन के लिए कई प्रकार की समस्याओं का कारण बनती जा रही हैं।

वैश्विक स्तर पर मस्तिष्क से संबंधित रोगों के बढ़ते जोखिम को कम करने और इसकी बीमारियों से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल वर्ल्ड ब्रेन डे मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ब्रेन से संबंधित जो बीमारी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है वह है- ब्रेन ट्यूमर। हालांकि ज्यादातर लोगों को इस रोग के बारे में सही जानकारी नहीं है। गलत जानकारियां रोग के समय पर निदान और इलाज में बाधा बन सकती हैं। आइए ब्रेन ट्यूमर से जुड़ी ऐसी ही कुछ अफवाहों के बारे में जानते हैं।

मिथ- मोबाइल फोन बढ़ा रहे हैं ब्रेन ट्यूमर का खतरा।

मोबाइल फोन के अधिक इस्तेमाल को कई प्रकार की बीमारियों को बढ़ाने वाला माना जाता है। अक्सर लोग तर्क देते हैं कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर की आशंका भी बढ़ जाती है, हालांकि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुताबिक ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है जो इसकी पुष्टि करता हो।

लंबे समय तक रेडियशन के संपर्क में रहने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव जरूर पड़ सकता है, पर इससे ब्रेन ट्यूमर होने का जोखिम नहीं होता है।

मिथ- माता-पिता में से किसी को रहा है ब्रेन ट्यूमर तो बच्चों को भी खतरा

डायबिटीज और हृदय रोग जैसी समस्याओं की तरह ही अक्सर ब्रेन ट्यूमर के भी आनुवांशिक जोखिमों को लेकर आशंका जताई जाती रही है। हालांकि इसको भी प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कई प्रकार के पर्यावरणीय या जीवनशैली के कारक ब्रेन ट्यूमर के मुख्य कारण हैं। यह माता-पिता से बच्चों में पास होता हो इसके सबूत बहुत कम या न के बराबर हैं।

मिथ- 60 से ऊपर के लोगों को ही होता है ब्रेन ट्यूमर।

अगर आपको लगता है कि ब्रेन ट्यूमर की समस्या सिर्फ उम्रदराज लोगों को होती है तो यह गलत जानकारी आपको भ्रमित कर सकती है। ब्रेन ट्यूमर एक ऐसी बीमारी है जो बच्चों और वयस्कों दोनों में हो सकती है। निदान किए गए सभी ब्रेन ट्यूमर के मामलों में से लगभग 3.19 प्रतिशत मामले 0-14 वर्ष की आयु के बच्चों में होते हैं। इसलिए सभी आयुवर्ग के लोगों के लिए ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों को समझना और जल्द से जल्द इलाज प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

चाय पत्ती को इस्तेमाल करें अलग तरीकों से, हैं बड़े काम की

एक चम्मच चाय की पत्ती से आपके किचन के कई सारे काम हो सकते हैं।

खाने का रंग करें गाढ़ा

आपने भी नहीं सोचा था न कि चाय की पत्ती से खाने का रंग गाढ़ा हो सकता है? क्या आपको पता है कि ढाबे वाले के छोले में वह गाढ़ा और अच्छा भूरा रंग कैसे आता है? वो चाय पत्ती का ही कमाल है। अगर आप भी अगली दफा पिंडी छोले बना रहे हों, तो इसका इस्तेमाल करें।

क्या करें-: छोले में सीटी लगाने के दौरान एक मलमल के कपड़े में 1 चम्मच चाय पत्ती डालकर बांध लें। इस पोटली को छोले में डालकर सीटी लगा लें। लगभग 30-40 मिनट के लिए छोले ऐसे ही रहने दें और फिर पोटली निकाल लें। आप देखेंगे की छोले का पानी भूरा हो गया है। अगर आपको लग रहा है कि खाने में चाय पत्ती की महक आएगी, तो ऐसा नहीं होगा। मसालों के साथ पके पानी में चाय पत्ता का कोई स्वाद नहीं आता।

चाय पत्ती से डियोडराइजर

मानसून के समय में घर के साथ-साथ किचन से भी बदबू आती है। किचन सिंक के पास अक्सर मक्खियां भी भिनभिनाने लगती है और डस्टबिन से भी बदबू आती है। आप इसे दूर करते सकते हैं, वो भी चाय पत्ती की मदद से।

क्या करें- 3-4 छोटे और साफ कपड़े लें और उनमें 1-1 चम्मच चाय पत्ती भर दें। अब लेमन एसेंशियल ऑयल या अन्य किसी भी एसेंशियल ऑयल की 2-3 बूंद सारे कपड़ों में डालकर गांठ बांध लें। इन छोटी पोटलियों को किचन की अलग-अलग जगहों पर रख दें।

वास्तु अनुसार घर की छत पर न रखें इन्हें झेलनी पड़ सकती हैं आर्थिक तंगी

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का हर कोना और स्थान किसी न किसी ऊर्जा का केंद्र होता है। छत पर रखी गई अनुपयोगी, भारी या नकारात्मक वस्तुएं जीवन में आर्थिक, मानसिक और पारिवारिक परेशानियों को जन्म देती हैं। जानिए वास्तु के अनुसार ऐसी चीजें जिन्हें घर की छत पर नहीं रखना चाहिए।

टूटी-फूटी वस्तुएं या कबाड़

वास्तु के अनुसार छत पर टूटी चारपाई, फर्नीचर, लोहे का कबाड़ या बेकार पड़ी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। इससे घर में दरिद्रता और कलह का वातावरण बनता है।

बंद पानी की टंकियां

छत पर बेकार पड़ी पानी की टंकियां आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। यदि पानी की टंकी उपयोग में न हो तो उसे हटा देना चाहिए, अन्यथा यह रुकावट और मानसिक तनाव उत्पन्न कर सकती है।

झाड़ू और पोछा

कई लोग सफाई के बाद झाड़ू-पोछे को छत पर रख देते हैं, जो वास्तु के अनुसार अशुभ माना गया है। इससे लक्ष्मी का वास घर से हट सकता है और धन संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

काले या गंदे कपड़े

छत पर लंबे समय तक सूखने के लिए रखे गंदे या काले कपड़े भी नकारात्मकता बढ़ाते हैं। यह मानसिक तनाव और पारिवारिक कलह को बढ़ावा देते हैं।

पुराने जूते-चप्पल

अगर छत पर बेकार पड़े जूते-चप्पल जमा हैं, तो यह राहु और केतु जैसे अशुभ ग्रहों का प्रभाव बढ़ाते हैं। इससे जीवन में रुकावट और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

बिना उपयोग की मशीन या इलेक्ट्रॉनिक्स

टीवी, वॉशिंग मशीन या कूलर जैसी चीजें अगर खराब होने के बाद भी छत पर रखी हैं, तो यह आर्थिक तंगी और रोग बढ़ा सकती है।

छत पर उग आई झाड़ियां या पौधे

यदि छत पर काई, झाड़ियां या अनचाहे पौधे उग आए हों, तो यह घर की ऊर्जा को बाधित करते हैं और शनि दोष बढ़ाते हैं। वास्तु के अनुसार देवी-देवताओं की टूटी हुई या अनुपयोगी मूर्तियों को छत पर नहीं रखना चाहिए। इससे अनिष्ट फल प्राप्त होते हैं और पुण्य कर्मों का क्षय होता है।

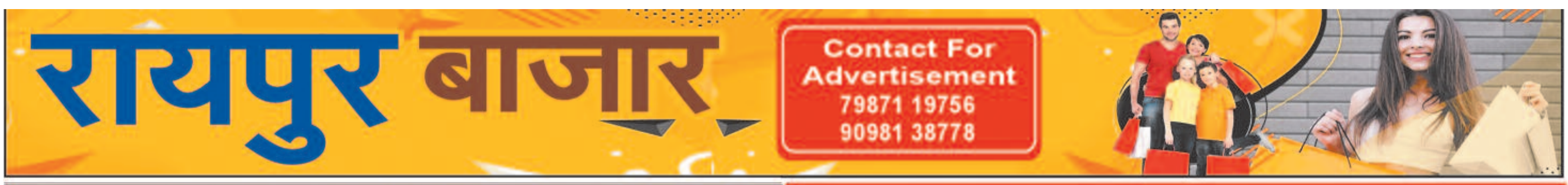

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाने की अफवाहों पर एल्बा ने दिया बड़ा बयान

स्पाई वर्ल्ड के फैंस को जेम्स बॉन्ड की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस सीरीज की अगली फिल्म में बॉन्ड का किरदार कौन निभाएगा? इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, अभिनेता इदरीस एल्बा का नाम जरूर सामने आया था। मशहूर जासूस जेम्स बॉन्ड पर बनी फिल्मों में अब तक कई अभिनेताओं ने मुख्य किरदार निभाया है। अब बॉन्ड पर बन रही अगली फिल्म में मुख्य किरदार की कास्टिंग को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। शुरुआत में खबर सामने आई कि इस फिल्म में भी जेम्स बॉन्ड का किरदार डेनियल क्रेग ही करेंगे, पर उन्होंने इससे इंकार कर दिया। फिर सुनने में आया कि 'लूथर', 'हैड ऑफ स्टेट' और 'थॉर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके इदरीस एल्बा को बॉन्ड का रोल ऑफर हुआ है। अब इस बारे में उन्होंने बयान जारी कर सफाई दी है।

एक इवेंट के दौरान एल्बा ने भी इन अफवाहों पर विराम लगा दिया। उन्होंने पीपल्स मैगजीन से बातचीत में कहा, 'मैं ऐसी किसी फिल्म का हिस्सा नहीं हूं। टीम युवा कलाकारों को खोज रहे हैं। मेरी तरफ से इस प्रोजेक्ट को ढेर सारी शुभकामनाएं। मैं खुद इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।'

इयान फ्लेमिंग के उपन्यास पर बेस्ड इस फिल्म को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। इस पर इदरीस ने कहा, 'सच कहूं तो मैं कभी भी इस दौड़ में था ही नहीं। हम सभी अभिनेता हैं और हम समझते हैं कि यह भूमिका उन प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक है, जिसे हर कोई निभाना चाहता है। यह दुनिया के सबसे परफेक्ट पुरुष का खिताब पाने जैसा है।'

बता दें कि अब तक इस फिल्म के लिए कई अभिनेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। मगर अब रिपोर्ट्स से मुताबिक मेकर्स किसी नए अभिनेता को यह भूमिका निभाने के लिए चुनेंगे। हाल ही में इस पर मेकर्स ने बयान भी जारी किया था। उन्होंने बताया था कि जेम्स बॉन्ड की तलाश जारी है। इससे ज्यादा जानकारी हम शेयर नहीं कर सकते हैं।

टॉलीवुड

नागार्जुन एक बार फिर संभालेंगे 'बिग बॉस तेलुगु' की कमान, बढी उत्सुकता

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन एक बार फिर से 'बिग बॉस तेलुगु' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बार नागार्जुन 'बिग बॉस तेलुगु' के नए सीजन 10 को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शो का फैंस को काफी समय से इंतजार कर रहे हैं।

इस नए सीजन को एक इंडिया कंपनी बना रही है। मेकर्स ने वादा किया है कि इस बार का गेम पहले से कहीं ज्यादा रोमांचक और अलग होने वाला है। शो के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नागार्जुन का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अपने पसंदीदा हीरो नागार्जुन को देखकर फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही शो को लेकर उत्साहित भी हैं। इस वीडियो के साथ मेकर्स ने लिखा, 'पेश है 'बिग बॉस तेलुगु 10'। इस बार आप बिग बॉस का 'दशावतारम' देखेंगे। खेल बदल रहा है, नियम बदल रहे हैं और इस बार इतिहास रचा जाएगा।' इस मशहूर शो को 'एंडेमोल शाइन इंडिया' कंपनी बना रही है, जिसके सीईओ दीपक धर हैं। यह कंपनी मनोरंजन की दुनिया में बहुत बड़ी है और इससे पहले भी कई सुपरहिट वेब सीरीज और शो बना चुकी है। इस लिस्त में 'द नाइट मैनेजर', 'द ट्रायल', 'कॉल माई एजेंट' और भी कई सीरीज और फिल्में शामिल हैं।

भोजपुरी

अक्षरा को ट्रोल ने कहा 'मोटी' तो भोजपुरी अदाकारा ने दिया जवाब

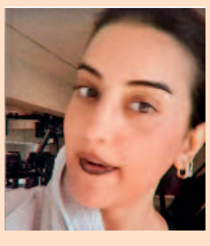

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह इन दिनों 'घिस घिस घिस' गाने को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वे अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। जबर्दस्त तरीके से हिट हुए इस गाने के बीच अक्षरा ने एक चैलेंज स्वीकार किया है। अक्षरा सिंह को इन दिनों 'घिस घिस घिस' गाने में अक्षय कुमार के साथ देखा जा रहा है। यह गाना आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का है। इसमें अक्षरा और अक्षय कुमार की जबर्दस्त केमिस्ट्री दिखी है। गाने की धूम के बीच एक ट्रोल ने अक्षरा पर निशाना साधा और उनके वजन को लेकर टिप्पणी की। मगर, अक्षरा ने इससे प्रेरणा लेकर चैलेंज स्वीकार किया है।

अक्षरा सिंह ने ट्रांसफॉर्मेशन का फैसला लिया है। इसकी प्रेरणा उन्हें ट्रोल की टिप्पणी से मिली है। इसका जिक्र खुद अक्षरा ने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर वर्कआउट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'ट्रोल समझ के लिखा था मोटी। मैंने मोटिवेशन समझ के पढ़ लिया। अब देखते जाइए। चैलेंज स्वीकार है। शुक्रिया डार्लिंग'। भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली अक्षरा ने बड़ी ही विनम्रता से ट्रोल को करारा जवाब दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जिम में कसरत करते हुए वे खूब पसीना बहा रही हैं। सकारात्मकता से लबरेज होकर उन्होंने खुद को बदलने का फैसला लिया है। अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार का गाना 'घिस घिस घिस' 25 मई को रिलीज हुआ था। इसे विक्रम मॉन्ट्रोज और सुप्रिया पाठक ने गाया है।

लंदन की रौनक

लाइफ स्टाइल

इंग्लैंड में लंदन फैशन वीक के हिस्से के तौर पर आयोजित बोरा अक्सू रेडी-टू-वियर स्प्रिंग/समर फैशन शो में दुनिया भर के डिजाइनरों ने अपने कलेक्शन पेश किए। यहां विंटेज फैशन को ज्यादा पसंद किया गया। शो के दौरान रनवे पर चलती हुई मॉडल को खूब तारीफ मिली।

गलत स्किनकेयर प्रोडक्ट्स से हो सकता है त्वचा को नुकसान, पहले पहचानें अपनी स्किन टाइप

हर कोई ये चाहता है कि उनकी त्वचा हमेशा दमकती और चमकती रहे, इसके लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर और ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। पर, कई बार इसका असर चेहरे पर दिखता नहीं है। इसकी एक वजह ये मानी जाती है कि ज्यादातर लोग अपनी स्किन टाइप के हिसाब से प्रोडक्ट नहीं करते, क्योंकि उन्हें अपने स्किन टाइप के बारे में पता ही नहीं होता है। इसी के चलते हम आपको यहां अपना स्किन टाइप पता करने के टिप्स देने जा रहे हैं। ताकि आपका चेहरा भी खिला-खिला रहे और आपक पैसे बर्बाद न हों।

ऐसे करें अपनी स्किन की पहचान

स्किन टाइप पता करने के लिए सबसे पहले माइल्ड फेसवॉश की मदद से अपने चेहरे को साफ करें। इसके बाद किसी भी प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। अब अपने चेहरे को ऐसे ही एक घंटे के लिए छोड़ दें। एक घंटे के बाद आप पता कर सकते हैं, कि आपकी त्वचा का

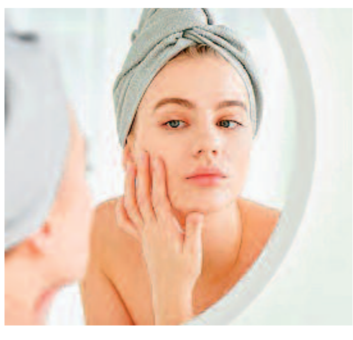

टाइप क्या है। इसके लिए टिशू पेपर को अपने माथे, नाक, गाल और ठुड्डी पर रखें और फिर इससे आपको जानकारी मिल जाएगी। नीचे जानकारी दी जा रही है कि टिश्यू पेपर कैसे आपका स्किन टाइप पहचानेगा।

यदि स्किन ऑयली है तो

यदि आपके चेहरे पर काफी चमक आ गई है, यानी कि पूरे चेहरे पर पसीना है तो समझ लीजिए कि आपकी स्किन काफी ऑयली है। जिन लोगों की त्वचा ऑयली होती है, उनके चेहरे पर मुंहासे की दिक्कत काफी सामने आती है। ऐसे में हमेशा ऐसे प्रोडक्ट इस्तेमाल करें, जो पसीने पर रोक लगाते हों।

यदि स्किन ड्राई है तो

यदि चेहरा धोने के एक घंटे के बाद त्वचा पर खिंचाव, रफनेस महसूस हो रही है, या फिर चेहरे पर से पपड़ी उतर रही है, तो मतलब ये है कि आपकी स्किन ड्राई है। ऐसे में ऐसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें, जिससे आपके चेहरे की नमी बरकरार रहे।

यदि कॉम्बिनेशन स्किन है तो

यदि आपकी चेहरे पर सिर्फ टी जोन यानी कि माथा और नाक पर पसीना आया है तो मतलब है कि आपकी कॉम्बिनेशन स्किन है। कॉम्बिनेशन स्किन में सिर्फ टी जोन पर पसीना आता है।

बॉडी टाइप के अनुसार चुनें बॉटमवियर, सिंपल आउटफिट में भी दिखेगा परफेक्ट लुक

जब भी स्टाइलिंग की बात होती है तो हम सभी सिर्फ और सिर्फ अपर वियर पर ही फोकस करती हैं, जबकि बॉटम वियर पर भी उतना ही ध्यान दिया जाना चाहिए। अमूमन हम बॉटम वियर में कुछ भी पहन लेती हैं और फिर हमें वह लुक नहीं मिल पाता है, जो वास्तव में मिलना चाहिए। आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन बॉटम वियर चुनते समय भी आपको अपनी बॉडी टाइप का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। जब आप अपने बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए बॉटम वियर चुनती हैं तो ऐसे में सिंपल आउटफिट में भी आपका लुक एकदम परफेक्ट नजर आने लगता है। आपको यह समझने की जरूरत है कि हर किसी के शरीर की बनावट अलग होती है।

एप्पल शेप बॉडी

इस तरह की बॉडी टाइप में मिड सेक्शन थोड़ा चौड़ा होता है, जबकि पैर स्लिम होते हैं। एप्पल बॉडी शेप के लिए हाई वेस्टेड जीन्स या ट्राउज़र जैसे बॉटम्स सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये आपकी वेस्ट को हाइलाइट करते हैं। चूंकि एप्पल शेप्ड में पैर पतले होते हैं तो ऐसे में आप वाइड लेग पैंट्स या पलाज़ो को भी पहन सकती हैं, क्योंकि ये पैरों में एक वॉल्यूम लाते हैं, जिससे ऊपर का हैवीपन बैलेंस होता है। कोशिश करें कि आप ऐसी स्कर्ट्स को पहनें, जिनका बॉर्डर या हेमलाइन डिज़ाइन हो, क्योंकि ये ध्यान पेट से हटाकर नीचे की ओर खींचते हैं।

पियर शेप बॉडी

अगर आपकी पियर शेप बॉडी है तो इसका मतलब है कि आपके हिप्स और थाइज हैवी हैं, जबकि कमर पतली है। ऐसी बॉडी टाइप के लिए स्ट्रेट कट जीन्स या ट्राउज़र काफी अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये हिप्स के चौड़ेपन को बैलेंस करते हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो फ्लेयर्ड या बूटकट पैंट्स को भी पहन सकती हैं, क्योंकि ये नीचे ध्यान खींचते हैं और शेप को बैलेंस करते हैं।

रूसी से हैं परेशान तो अपनाइए कुछ घरेलू तरीके, मिलेगा डैंड्रफ से छुटकारा

त्वचा पर खुजली के अलावा बालों का झड़ना, बालों में डैंड्रफ होना, स्कैल्प पर खुजली की समस्या भी काफी आम है। सबसे ज्यादा परेशानी तो तब होती है, जब सिर पर डैंड्रफ हो जाता है।

रूसी को हटाता है टी ट्री तेल

ये तेल आपके बालों के लिए रामबाण साबित हो सकता है। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो टी ट्री तेल को नारियल तेल के साथ मिलाएं और इसे अपने बालों में लगाएं। कुछ ही दिनों में आपको डैंड्रफ से राहत मिलेगी।

विनेगर

सेब के सिरके का इस्तेमाल करके आप बालों की रूसी को खत्म कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एप्पल साइडर विनेगर और पानी को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसे बाल धोने से पहले बालों में लगा लें। कुछ देर बाद बालों को धो लें।

एलोवेरा

एलोवेरा के इस्तेमाल से आप अपने बालों में होने वाले डैंड्रफ को हटा सकते हैं। इसके लिए सीधे ताजे एलोवेरा जेल को अपने बालों में लगाएं और कुछ समय बाद बालों को धो लें। ये जरूर आपको फायदा पहुंचाएगा।

नींबू

अगर आप नींबू का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो पहले इसे एक बार टेस्ट जरूर कर लें। नींबू कई लोगों को सूट नहीं करता है। अगर ये आपको सूट करता है तो ताजा नींबू का रस अपने स्कैल्प पर लगाएं ।

अपनी भौंहें संवारने आजमाए प्याज और मेथीदाना

घनी आइब्रो के लिए हम बाजार के सीरम या क्रीम की इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप चाहें तो इसके लिए घर पर मौजूद चीजों का इस्तेमाल करके इसके बालों की ग्रोथ अच्छी कर सकते हैं।

आइब्रो को घना करने का आसान तरीका

आप आइब्रो को घना करने के लिए आप बाजार के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कम करें और घर पर रखे मेथी दाने और प्याज को लगाना शुरु करें। इससे आपके आइब्रो के बाल घने होने शुरु हो जाएंगे। साथ ही, बाल काले भी नजर आएंगे।

इस्तेमाल कैसे करें

इसके लिए आपको प्याज को कद्दूकस करके इसका रस निकालना है। फिर आपने जो मेथी दाने को रात के समय भिगोकर रखा है। इसे मिक्सी में अच्छे से पीस लेना है। मेथी दाने के पेस्ट को आपको एक कटोरी में निकालना है। इसमें कद्दूकस के निकाले हुए प्याज के रस को डालना है। इसके बाद इस पेस्ट को अच्छे से मिक्स करना है। इसे ब्रश की मदद से अपनी आइब्रो पर लगाएं। इसे थोड़ी देर के लिए आइब्रो पर लगा रहने दें। फिर इसे पानी से साफ कर लें। इस नुस्खे को महीनेभर तक ट्राई करें। आपकी

आइब्रो घनी नजर आएगी।

इस्तेमाल करने के फायदे

आइब्रो की ग्रोथ में प्याज के रस को इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ अच्छी होने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्याज में सल्फर होता है। ऐसे में इसे लगाने से बालों में मजबूती आती है। इससे आइब्रो से कम टूटते हैं। इसलिए आप इसके रस का इस्तेमाल कर सकती हैं। मेथी दाने से प्रोटीन, निकोटिनिक एसिड और लेसिथिन होता है। इससे बालों को प्रोटीन मिलता है। साथ ही, बाल झड़ने कम हो जाते हैं। इसे लगाने से आपकी आइब्रो घनी और काली नजर आती है।

कार्नर न्यूज

कॉस्मेटिक स्किन ट्रीटमेंट का नया चलन कर रहा ट्रेंड

चेहरे को जवान बनाने का नया तरीका वैम्पायर फेशियल अपना रहे लोग, जानिए इसके फायदे और पूरी प्रक्रिया

वैम्पायर फेशियल एक कॉस्मेटिक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें व्यक्ति के अपने रक्त से निकाले गए PRP का उपयोग त्वचा को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में पहले खून लिया जाता है, फिर उसमें से प्लेटलेट्स को अलग करके चेहरे पर माइक्रोनीडलिंग के साथ लगाया जाता है। माना जाता है कि इससे त्वचा की मरम्मत, कोलेजन उत्पादन और प्राकृतिक चमक बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

आज के समय में खूबसूरत, चमकदार और जवान दिखने वाली त्वचा की चाह लगभग हर किसी की होती है। इसी वजह से स्किन केयर और कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसा ट्रीटमेंट काफी चर्चा में रहा है जिसे ₹वैम्पायर फेशियल₹ कहा जाता है। नाम सुनकर यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह आधुनिक स्किन रीजुवेनेशन तकनीकों में से एक माना जाता है।

वैम्पायर फेशियल को प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा (पीआरपी) फेशियल भी

कहा जाता है। इसमें व्यक्ति के अपने रक्त का उपयोग किया जाता है। रक्त से प्लेटलेट्स और ग्रोथ फैक्टर्स को अलग करके त्वचा पर लगाया जाता है, जिससे त्वचा की मरम्मत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा देने की कोशिश की जाती है। यही कारण है कि इसे एंटी-एजिंग और स्किन रिवाइटलाइजेशन ट्रीटमेंट के रूप में प्रचारित किया जाता है।

कई लोग इसे फाइन लाइन्स, झुर्रियों, एक्ने के निशान, बड़े पोर्स और त्वचा की निस्तेजता को कम करने के लिए चुनते हैं। हालांकि यह कोई जादुई उपचार नहीं है और इसके परिणाम व्यक्ति की त्वचा, उम्र और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर कर सकते हैं। यदि आप भी इस ट्रेंडिंग ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में जानना चाहते हैं, तो आइए जानते हैं कि वैम्पायर फेशियल क्या है, यह कैसे किया जाता है, इसके संभावित फायदे क्या हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वैम्पायर फेशियल को जानिए

वैम्पायर फेशियल एक गैर-सर्जिकल कॉस्मेटिक प्रक्रिया है। इसमें मरीज के अपने खून से प्राप्त पीआरपी का उपयोग किया जाता है। प्लेटलेट्स में मौजूद ग्रोथ फैक्टर्स शरीर की प्राकृतिक रिपेयर प्रक्रिया में भूमिका निभाते हैं। इसी सिद्धांत के आधार पर पीआरपी को त्वचा पर माइक्रोनीडलिंग या अन्य तकनीकों के साथ इस्तेमाल किया जाता है। इसका उद्देश्य त्वचा को अधिक ताजा, स्वस्थ और युवा दिखाने में मदद करना है।

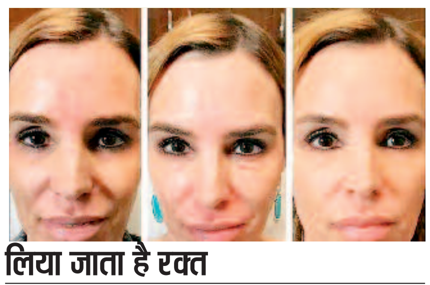

लिया जाता है रक्त

इस प्रक्रिया की शुरुआत मरीज के हाथ से थोड़ी मात्रा में रक्त लेने से होती है। इसके बाद रक्त को एक विशेष मशीन में घुमाकर पीआरपी को अलग किया जाता है। चेहरे पर पहले माइक्रोनीडलिंग की जाती है, जिससे त्वचा में बेहद सूक्ष्म चैनल बनते हैं। फिर पीआरपी को चेहरे पर लगाया जाता है ताकि त्वचा इसे बेहतर तरीके से अवशोषित कर सके। पूरी प्रक्रिया आमतौर पर 45 से 90 मिनट के बीच पूरी हो जाती है।

वैम्पायर फेशियल को लेकर दावा किया जाता है कि यह त्वचा में कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा दे सकता है। इससे फाइन लाइन्स और झुर्रियों की उपस्थिति कम दिखाई दे सकती है।